आर. एन. आई. नं. UPHIN/2010/32566 डाक. पंजीयन. संख्या– SSP/LW/NP-311

अद्भुत समाचार

निष्पक्ष एवं निर्भीक हिन्दी साप्ताहिक
हर ख़बर पर पैनी नज़र

वर्ष : 11 अंक : 41 लखनऊ, रविवार 07 फरवरी से 13 फरवरी, 2021 तक पृष्ठ–8 मूल्य : एक रूपया

हमारा जस्टिस सिस्टम ऐसा हो, जहां समय से न्याय की गारंटी हो : मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को वीडियो कन्फ्रेंसिंग से गुजरात हाईकोर्ट की डायमंड जुबली समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि हमारा जस्टिस सिस्टम ऐसा होना चाहिए, जो समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति के लिए भी सुलभ हो, जहां हर व्यक्ति के लिए समय से न्याय की गारंटी हो। सरकार भी इस दिशा में अपने कर्तव्यों को पूरा करने के लिए निरंतर प्रयास कर रही है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, "न्यायपालिका के प्रति भरोसे ने सामान्य नागरिक के मन में एक आत्मविश्वास जगाया है। सच्चाई के लिए खड़े होने की उसे ताकत दी है। आजादी से अब तक देश की यात्रा में हम न्यायपालिका के योगदान की चर्चा करते हैं, तो

बार के योगदान के भी चर्चा करते हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारतीय समाज में रूल ऑफ लॉ, सदियों से सभ्यता और सामाजिक ताने–बाने का आधार रहा है। हमारे प्राचीन ग्रंथों में कहा गया है कि सुराज्य की जड़ ही न्याय में है। हमारे संविधान में कार्यपालिका, विधायिका और न्यायपालिका को दी गई जिम्मेदारी, हमारे संविधान के लिए प्राणवायु की तरह है। हमारी न्यायपालिका ने संविधान की प्राणवायु की सुरक्षा का दायित्व पूरी ढ़िंता से निभाया है। उन्होंने कहा कि गुजरात हाईकोर्ट ने सत्य और न्याय के लिए जिस कर्तव्य और निष्ठा से काम किया है, अपने संवैधानिक कर्तव्यों के लिए जो तत्परता दिखाई है उसने भारतीय न्याय व्यवस्था और भारत के लोकतंत्र दोनों को ही मजबूत किया है।

चक्का जाम' के मद्देनजर दिल्ली के कई मेट्रो स्टेशन बंद

नई दिल्ली। किसानों द्वारा घोषित 'चक्का जाम' के मद्देनजर दिल्ली मेट्रो रेल कर्पोरेशन (डीएमआसी) ने एहतियात के तौर पर मध्य और उत्तरी दिल्ली के कम से कम आठ मेट्रो स्टेशनों के फाटकों को बंद कर दिया है। अपने आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल से किए गए ट्वीट में डीएमआरसी ने कहा, "सिक्योरिटी अपडेट : मंडी हाउस, आईटीओ और दिल्ली गेट के प्रवेश और निकास द्वार बंद हैं। एक अन्य ट्वीट में कहा गया, "विश्व विद्यालय स्टेशन के प्रवेश और निकास द्वार बंद हैं।" एक अलग ट्वीट में आगे कहा गया, "सिक्योरिटी अपडेट रू लाल किला, जामा मस्जिद, जनपथ और केंद्रीय सचिवालय के प्रवेश और निकास द्वार बंद हैं। इंटरचेंज की सुविधा उपलब्ध है। किसानों ने तीन कृषि कानूनों के खिलाफ दोपहर १२ बजे से लेकर शाम के तीन बजे तक तीन घंटे के लिए देशव्यापी 'चक्का जाम' करने की घोषणा की है। इसे देखते हुए दिल्ली पुलिस ने पर्याप्त सुरक्षा इंतजाम किए हैं।

मुख्यमंत्री योगी रविवार को एक दिन के अयोध्या दौरे पर

लखनऊ। भगवान श्रीराम की जन्मभूमि अयोध्या के विकास को लेकर बेहद गंभीर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ रविवार को एक दिन के अयोध्या दौरे पर रहेंगे। अयोध्या में दीपोत्सव तथा अन्य कार्यक्रम का हर वर्ष आयोजन कराने के बाद बीते वर्ष रामलला जन्मभूमि मंदिर के नींव पूजन के बाद से सीएम योगी आदित्यनाथ का फोकस रामनगरी के समग्र विकास पर हैं। अयोध्या में मुख्यमंत्री श्री रामलला विराजमान के साथ हनुमानगढ़ी का दर्शन–पूजन करेंगे। इसके बाद अयोध्या के विकास कार्यों की समीक्षा बैठक करेंगे। उनकी समीक्षा बैठक रामकथा संग्रहालय में होगी। वह १२रू०० से दो बजे तक रामकथा संग्रहालय में करेंगे अयोध्या के विकास कार्यों की समीक्षा बैठक करेंगे। योगी आदित्यनाथ रविवार को करीब १०रू३० बजे अयोध्या पहुंच जाएंगे। अयोध्या के करीब चार घंटे के दौरे पर वह राम जन्मभूमि परिसर में सुरक्षा को लेकर बैठक करेंगे। इसके साथ ही उनका अधिकाारियों तथा श्रीराम तीर्थ क्षेत्र के पदाधिकारियों के साथ रामकथा संग्रहालय के विकास को लेकर मंथन भी होगा। अयोध्या के दौरे के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ वहां से वाराणसी रवाना होंगे। उनका रात्रि विश्राम पीएम नरेंद्र मोदी के संसदीय क्षेत्र वाराणसी में होगा। उनके आगमन को लेकर अयोध्या में सुरक्षा व्यवस्था मुस्तैद करने के साथ ट्रैफिक डायवर्जन भी होगा। यहां वाहन रविवार को उदया चौराहे से आगे नहीं जा पाएंगे।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के आगमन से रामनगरी के कायाकल्प की योजना को अंतिम स्पर्श मिलेगा। राम मंदिर निर्माण कार्य के साथ रामनगरी इन दिनों बदलाव की दहलीज पर है। रामनगरी के आरोह का मौजूदा चरण २०१४ में ही शुरू हो गया, जब केंद्र में पहली बार नरेंद्र मोदी की सरकार बनी। इस दिशा में प्रयास को तीव्रता २०१७ में मिली, जब केंद्र के साथ प्रदेश में भी भाजपा सरकार का गठन हुआ। सरकार गठन के सवा दो माह बाद ही मुख्यमंत्री रामनगरी पहुंचे और अनेक विकास योजनाओं की घोषणा से यह स्पष्ट कर दिया कि रामनगरी का विकास उनकी उच्च प्राथमिकता में है। दीपोत्सव इस सच्चाई का शानदार उदाहरण साबित हुआ। इस दौरान सरयू तट पर न केवल एक लाख ८७ हजार दीप जले, बल्कि अनेक सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से रामनगरी आकर्षण का सबब बनी।

मुख्यमंत्री की अभ्युदय योजना, पंजीकरण १० से शुरू

लखनऊ। सिविल सेवा, नीट और जेईई जैसी प्रतिष्ठित प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की 'अभ्युदय योजना' के तहत १६ फरवरी बसंत पंचमी से पढ़ाई शुरू होगी। पूरी तरह निःशुल्क इस खास कोचिंग का लाभ लेने के लिए पहले पंजीकरण कराना होगा, जिसकी प्रक्रिया १० फरवरी से शुरू हो रही है। अभ्युदय के पोर्टल पर पंजीकरण के बाद १६ फरवरी से अध्ययन–अध्यापन का क्रम प्रारंभ होगा। संभव है कि पंजीकृत अभ्यर्थियों के साथ १५ फरवरी को सीएम योगी संवाद भी करें। मुख्य सचिव राजेंद्र कुमार तिवारी की ओर से इस संबंध में आदेश जारी कर दिया गया है। सीएम योगी की यह खास कोचिंग अभावग्रस्त अथवा वित्तीय संसाधनों की कमी वाले परिवार के बच्चों के लिए शुरू की है। इस अभिनव कोचिंग में अनलाइन स्टडी मैटेरियल और लेक्चर आदि तो उपलब्ध होंगे ही, अफलाइन क्लास में आईएएस और पीसीएस परीक्षा के लिए प्रशिक्षु आईएएस, आईपीएस, आईएफएस (वन सेवा), पीसीएस अधिकारियों द्वारा मार्गदर्शन दिया जाएगा। जबकि एनडीए और सीडीएस की परीक्षा के लिए प्राचार्य, उत्तर प्रदेश सैनिक स्कूल द्वारा गाइडेंस मिलेगी। यह नहीं, नीट, जेईई, बैंक पीओ, एसएससी और टीईटी आदि परीक्षाओं के लिए भी कक्षाएं चलेंगी। तय व्यवस्था के अनुसार, विभिन्न विषयों के प्रतिष्ठित विशेषज्ञ भी अतिथि व्याख्याता के तौर पर आमंत्रित किए जाएंगे। यहां प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए विषय का चयन परीक्षा की तैयारी के तरीके, टिप्स, प्रश्नों के उत्तर लिखने की विधि, सामान्य अध्ययन के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा होगी। इसके अतिरिक्त, विषय

विशेषज्ञ की उपलब्धता के आधार पर विभिन्न विषयों की कक्षायें भी चलेंगी। मुख्यमंत्री अभ्युदय योजनान्तर्गत हर मंडल मुख्यालय पर निःशुल्क ऑफलाइन और ऑनलाइन प्रशिक्षण तथा विभिन्न परीक्षाओं के पाठ्यक्रम व परीक्षा पैटर्न आदि के संबंध में अभ्यर्थियों को पूरी जानकारी दी जाएगी। यही नहीं, विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए उत्तर प्रदेश प्रशासन एवं प्रबन्धन अकादमी (उपाम) द्वारा क्वेश्चन बैंक, प्रश्नोत्तरी आदि भी तैयार कर वेबसाइट पर उपलब्ध कराया जाएगा। साथ ही, विभिन्न उच्च स्तरीय कोचिंग संस्थाओं के स्टडी मैटेरियल भी मुहैया कराए जाएंगे। मंडल स्तर पर प्रशिक्षण केंद्रों के संचालन व समन्वयन की जिम्मेदारी उत्तर प्रदेश प्रशासन एवं प्रबन्धन अकादमी (उपाम) को दी गई है। उपाम द्वारा हर साल एक तय समय पर पात्रता परीक्षा आयोजित कराई जाएगी, जिसके माध्यम से अभ्यर्थियों का चयन होगा। अभ्यर्थियों को सहजता के साथ गुणवत्तापूर्ण स्टडी मैटेरियल मिल सके, इसके लिए राज्य स्तर पर ई–लर्निंग कन्टेन्ट प्लेटफार्म बनाया जा रहा है। इस प्लेटफार्म पर विभिन्न अधिकारियों द्वारा परीक्षा की तैयारी संबंधी अपने अनुभव साझा करते हुए वीडियो अपलोड किए जाएंगे। इसके अलावा, परीक्षा की तैयारी से संबंधित टिप्स सामग्री, पुस्तकों आदि से संबंधी मार्गदर्शन देते हुए वीडियो अपलोड होगा। लाइव सेशन एवं सेमिनार भी होंगे। विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं से संबंधित विषय वस्तु सामग्री एवं क्यूरेटिव कन्टेन्ट उपलब्ध होगा, जिसके लिए ख्याति प्राप्त संस्थाओं की सामग्री इकट्ठा की जा रही है। पंजीकृत अभ्यर्थियों को ई–लर्निंग प्लेटफार्म पर सवाल पूछने का भी मौका होगा। जिसका विशेषज्ञ समुचित निराकरण करेंगे।

सम्पादकीय

सवाल मीडिया की आजादी

मीडिया की आजादी और पत्रकारों के दमन से संबंधित हैं। मनदीप के बचाव पक्ष ने शुरू से कहा कि पुलिस की एफआईआर में कई गंभीर समस्याएं हैं। एफआईआर के मुताबिक कथित मारपीट और खींचतान की घटना और एफआईआर दर्ज होने के बीच करीब सात घंटे देर है। इससे पता चलता है कि एफआईआर दर्ज करने का फैसला बाद में लिया गया। जबकि आरोप पुलिसकर्मियों से मारपीट करने का था। ऐसी घटनाओं में इतनी देर आम तौर पर नहीं होती। पुलिस के मुताबिक सिंघु बॉर्डर पर बीते शनिवार को पुनिया ने सुरक्षा के लिए लगाए बैरिकेड को तोड़कर घुसने की कोशिश की और पुलिस कांस्टेबल को घसीटा। पुलिस का कहना है कि मनदीप ने अपना प्रेस पहचान पत्र भी नहीं दिखाया, जबकि उनके दूसरे साथी को प्रेस कार्ड दिखाने पर जाने दिया गया। लेकिन प्रेसकार्ड न होना मनदीप की गिरफ्तारी का कोई आधार नहीं हो सकता। भारत में शायद ही किसी स्वतंत्र पत्रकार के पास प्रेस कार्ड होता है। आखिर किसी फ्रीलांस पत्रकार को ऐसा कार्ड कहां से हासिल हो सकता है? मनदीप पुनिया कारवां मैगजीन के लिए काम कर रहे स्वतंत्र पत्रकार हैं। हरियाणा के झज्जर के रहने वाले मनदीप पुनिया ने पंजाब विश्वविद्यालय से पढ़ाई की है और फिर दिल्ली स्थित भारतीय जन संचार संस्थान से पत्रकारिता का कोर्स किया है। यानी उनके पत्रकार होने पर कोई शक नहीं है। पत्रकार संगठनों ने उचित ही कहा है कि दरअसल यह चिंता की बात पूरे देश के लिए है कि किसी को पुलिस इसलिए उठा ले रही है कि वह सिर्फ अपना काम कर रहा होता है। इस स्थिति में फ्रीलांस पत्रकारों के लिए खतरा कुछ ज्यादा ही बढ़ गया है। जबकि भारत में जमीनी रिपोर्टिंग अक्सर स्थानीय पत्रकार ही करते हैं, जिनके पास कोई स्थायी नौकरी नहीं होती। स्ट्रिंगर कहे जाने वाले पत्रकारों के पास किसी प्रेस–पहचान–पत्र की ढाल नहीं होती। तो क्या उन्हें पुलिस जब चाहे इस आधार पर गिरफ्तार कर सकती है? जहां तक पुलिस के काम में बाधा डालने की बात है, तो जेल भेजने के पहले उसका ठोस साक्ष्य भी जरूर सामने रखा जाना चाहिए। लेकिन आज ये सारी बातें एक तरह से निरर्थक लगती हैं। इसलिए पुलिस जो कर रही है, परोक्ष रूप से उसे सरकार का समर्थन मिला दिखता है।

नेपाली नागरिकों के लिए रेल प्रशासन की अनोखी पहल, ट्रेन में अलग बोगी

लखनऊ। नेपाली नागरिकों के लिए अच्छी खबर है। लखनऊ रेल मंडल इनके लिए ट्रेनों में अलग बोगी लगाएगा। यहीं नहीं यात्रा के दौरान खानापान सेवा में छूट भी मिलेगी। यह भारत–नेपाल मैत्रीय संबंधों की वजह से संभव हुआ है। जहां पूर्वोत्तर रेलवे की ओर से लखनऊ जंक्शन और गोरखपुर जंक्शन से पांच कोच एर्नाकुलम, चेन्नई और मुम्बई की ट्रेनों में लगाया जाएगा। अभी तक नेपाली नागरिक बसों से सफर करते थे। जहां समय और किराया ज्यादा लगता था। ऐसे में पूर्वोत्तर रेलवे ने ट्रेनों की अतिरिक्त सुविधाएं देने की जिम्मेदारी ली है। डीआरएम डा. मोनिक अग्निहोत्री का कहना है कि भारत के विभिन्न राज्यों में काम कर रहे नेपाली श्रमिकों को इसका सीधा फायदा

होगा। वह परिवहन की तुलना में भारतीय रेल से तेज, आरामदायक, सुरक्षित, और कम खर्चे में यात्रा कर सकेंगे। यहीं नहीं ट्रेन में कैटरिंग सेवा मुहैया कराने वाले से नेपाली नागरिकों को छूट के साथ खानपान की चीजें उपलब्ध कराने का अनुबंध भी किया गया है। इसी मकसद से नेपाली नागरिकों के लिए यह नई पहल शुरू की गई है।

अखिलेश के साथ गठबंधन के लिए तैयार हैं शिवपाल यादव

लखनऊ। प्रगतिशील समाजवादी पार्टी लोहिया (पीएसपीएल) के प्रमुख शिवपाल यादव ने कहा है कि उनकी पार्टी समाजवादी पार्टी (सपा) के साथ गठबंधन करने के लिए तैयार है। ताकि उनकी पार्टी और सपा मिलकर आगामी विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी को हरा सकें। शिवपाल ने कहा, "हम गठबंधन बनाने के लिए राज्य के अन्य छोटे दलों से भी संपर्क कर रहे हैं। जिस सरकार ने किसानों के हित के खिलाफ ये काले कृषि कानून बनाए हैं, उन्हें किसी सूरत में चुनाव नहीं जीतने देना चाहिए। पीएसपीएल प्रमुख ने यह भी कहा कि उनकी पार्टी ने राज्य के सभी जिलों में अपना आधार बना लिया है। उन्होंने कहा, "हम किसानों के साथ हैं और जरूरत पड़ी तो हम जेल भरो

आंदोलन भी करेंगे। ये कानून केवल कॉर्पोरेट घरानों की मदद के लिए बनाए गए हैं, बल्कि केंद्र सरकार द्वारा लिए गए सभी निर्णय फिर चाहे वो नोटबंदी हो, जीएसटी हो, कोविड–१९ लॉकडाउन के दौरान श्रमिकों का माइग्रेशन हो, ये सब देश और जनता के खिलाफ ही थे। किसानों की आय को दोगुना करने का वादा किया गया, लेकिन आय में कमी आई है। यदि किसान इन कानूनों का विरोध कर रहे हैं तो सरकार क्यों उन पर ये कानून थोप रही है? हालांकि, समाजवादी पार्टी ने शिवपाल के इन बयानों पर कोई टिप्पणी नहीं की है लेकिन सूत्रों का कहना है कि पार्टी 'छोटी' पार्टियों के साथ गठबंधन करने को तैयार है। बता दें कि सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव कह चुके हैं कि उनकी पार्टी शिवपाल यादव के लिए

हुनर हाट में अनेकता में एकता की झलक से अवध की शाम में चार चांद लग

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के शिल्पकारों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से अवध शिल्पग्राम में यूपी की संस्कृति और विरासत को समेटे हुनर हाट में एक तरफ जहां आंध्र प्रदेश के सुनहरी साड़ी दमक रही है वहीं हाथरस की हींग अपनी खुशबू से सबका ध्यान खींच रही है। बनारस का सिल्क हो या लखनऊ की चिकनकारी, एटा के घुंघरू हो या पीलीभीत की बांसुरी, बरेली के झुमके हो या अलीगढ़ के ताले अनेकता में एकता की झलक लिए हुनर हाट से अवध की शाम में चार चांद लगे हैं। नवाबों की नगरी लखनऊ में 'वोकल फर लोकल' की थीम पर आयोजित होने वाले 'हुनर हाट' में ७५ जिलों के बेहतरीन कारीगर और शिल्पकार अपने हुनर से सभी का दिल जीत रहे हैं। इसका ही परिणाम है कि महज १२ दिनों में ओडीओडीपी स्टॉलों पर लगभग एक करोड़ ८० लाख से अधिक की बिक्री हो चुकी है। हुनर हाट के जरिए प्रदेश समेत दूसरे राज्यों के ५०० से अधिक कारीगरों और शिल्पकारों को कोरोना काल के बाद भी उचित मंच देकर योगी सरकार ने उनके चेहरों पर बिक्री की चमक बिखेरी है। ओडीओपी योजना दूसरे प्रदेशों के कारीगरों को लुभा रही है। हुनर हाट में तमिलनाडु से आई महिला कारीगर

टी इंदिरा ने कहा कि पहली बार उत्ष्तर प्रदेश में स्टॉल लगाया है। योगी सरकार की स्वर्णिम नीतियों ने यहां के कारीगरों को उचित मंच देकर उनके व्यापार को बढ़ावा दिया है। हुनर हाट में हम लोगों के उत्पादों की खूब बिक्री हो रही है। झारखंड से आए अशफाक ने बताया कि हैंडलूम के मामले में यूपी नंबर वन है यहां की सरकार कारीगरों को बढ़ावा दे रही है। इसका ही परिणाम है कि उनके उत्पाद सरकार द्वारा दूसरे देशों में अब दोगुनी रफ्तार से निर्यात हो रहे हैं। मुझे खुशी है कि यूपी हुनर हाट में हम लोगों को मौका मिला। वेस्ट्ट बंगाल की नसीरा खातून ने बताया कि दूसरे प्रदेशों के कारीगरों को योगी सरकार मौका दे रही है। जिससे कोरोना काल के बाद हम जैसे लोगों को सबल मिला है। केंद्रीय अल्पसंख्यक मंत्रालय द्वारा देश के दस्तकारों, शिल्पकारों को मार्केट मुहैया कराने के शानदार सफर को आगे बढ़ाते हुए उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के अवध शिल्पग्राम में आयोजित हुनर हाट से सरकारी योजनाओं संग स्वदेशी उत्प्पादों को बढ़ावा मिल रहा है। 'सबका साथ सबका विकास', 'वोकल फॉर लोकल', 'मिशन रोजगार' व 'मिशन शक्ति' की मुहिम को योगी सरकार द्वारा आयोजित हुनर हाट से बढ़ावा मिल रहा है। ओडीओपी योजना के तहत इस हाट में जघ्हां एक ओर जनपदों के परंपरागत परिधानों, कला व उत्पादों को पहचान मिली है। वहीं दूसरी ओर कोरोना संकट के बाद व्यापार को योगी सरकार की स्वर्णिम नीतियों से गति मिली है। उत्तर प्रदेश में ओडीओपी योजना के जरिए एक जनपद एक उत्पाद प्रदेश के ७५ जनपदों के उत्पादों को एक ओर विशिष्ट पहचान मिली है तो वहीं अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर भी योजना के जरिए जनपद के कारीगरों का मान बढ़ा है। इस हुनर हाट में लोगों को अपने प्रदेश के बेशकिमती उत्पादों को खरीदने का मौका मिल रहा है। साथ ही प्रदेश की संस्कृति, सभ्यता व विरासत से भी लोग रूबरू हो रहे हैं। कन्नौज का इत्र, फिरोजाबाद के कांच, लखनऊ की चिकनकारी व जरदोजी, भदोही के कालीन, बुलंदशहर के सिरामिक्स, कासगंज की जरदोजी, अमेठी के मूंज के उत्पाद, मऊ व मुरादाबाद के धातु के आइटम, अमरोहा के वाद्य यंत्र लोगों को अपनी ओर आकर्षित कर रहे हैं। "प्लास्टिक मुक्त प्रदेश" की ओर बढ़ते "उत्तर प्रदेश के कदम" प्रदेश में पारंपरिक स्वदेशी इकाफ्रेंडली उत्पादों के जरिए प्लास्टिक मुक्त प्रदेश की ओर कदम तेजी से बढ़ रहे हैं। हुनर हाट में अवधवासियों को इकोफ्रेंडली का संदेश दिया जा रहा है। जिसके तहत एक ओर जहां स्ष्टलों पर प्लास्टिक की जगह जूट के बैग, कुल्हड़, मूंज के उत्पाद मिल रहे हैं वहीं दूसरी ओर हर्बल उत्पाद, औषधीय उत्पाद जैसे शहद, आंवले के बने उत्पादों की लोग जमकर खरीदारी कर रहें हैं।

उत्तर प्रदेश विधान-परिषद के नवनिर्वाचित सदस्यों ने ली शपथ

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधान परिषद में नवनिर्वाचित सदस्यों ने शपथ ली। विधान परिषद के नवनिर्वाचित सदस्यों को कार्यकारी सभापति कुंवर मानवेंद्र सिंह ने विधान भवन के तिलक हॉल में उच्च सदन की सदस्यता की शपथ दिलाई। इस दौरान भाजपा के सभी दस सदस्यों ने शपथ ली, लेकिन समाजवादी पार्टी के सदस्य राजेन्द्र चौधरी शपथ लेने नहीं पहुंचे। हाल ही में विधान परिषद में १२ सदस्य नवनिर्वाचित हुए हैं, जिनमें कुंवर मानवेंद्र सिंह समेत भाजपा के १० और सपा के दो सदस्य शामिल हैं। उत्तर प्रदेश विधान परिषद के नवनिर्वाचित सदस्यों में भाजपा की तरफ से सबसे पहले उप मुख्यमंत्री डा. दिनेश शर्मा, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह, लक्ष्मण आचार्य, महामंत्री गोविन्द नारायण शुक्ला, अश्विनी त्यागी, सुरेंद्र चौधरी, धर्मवीर प्रजापति, अरविंद कुमार शर्मा ने शुक्रवार को पद एवं गोपनीयता की शपथ ली। इस दौरान सपा के सदस्य व राष्ट्रीय प्रवक्ता राजेन्द्र चौधरी शपथ लेने नहीं पहुंचे। बाद में भाजपा के सलिल विश्नोई को सभापति कक्ष

में शपथ दिलाई गई। यूपी में मौजूदा संख्या बल ६८ है, जिसमें सपा के ५१ सदस्य हो गए हैं। सदस्यों की संख्या के आधार पर सपा का ही बहुमत है। ऐसे में सपा अहमद हसन के लिए सभापति पद की दावेदारी करना चाह रही थी, लेकिन राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने भाजपा के कुंवर मानवेंद्र सिंह को विधान परिषद का प्रोटेम सभापति नियुक्त कर दिया। विधान परिषद में बहुमत वाली सपा ने कुंवर मानवेंद्र सिंह को प्रोटेम सभापति नियुक्त किये जाने पर एतराज जताया है। १८ फरवरी से शुरू होने वाले विधानमंडल के बजट सत्र में इस मुद्दे पर सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच तकरार होना तय है। कुंवर मानवेंद्र सिंह दूसरी बार प्रोटेम सभापति नियुक्त हुए हैं। इससे पहले वह ६ मई, २००२ से दो अगस्त २००४ तक प्रोटेम सभापति रह चुके हैं। प्रोटेम सभापति के तौर पर उन्होंने विधान परिषद के नवनिर्वाचित सदस्यों को शपथ दिलाई। इसकी शुरूआत उन्होंने सपा के नवनिर्वाचित सदस्य अहमद हसन को रविवार को ही अपने कार्यालय कक्ष में शपथ दिलाकर की थी। अहमद हसन को विधान परिषद में नेता प्रतिपक्ष भी नियुक्त कर दिया गया है।

दबंगो नें दुकान में घुसकर जमकर किया तोड़फोड़, लाठी डंडों से प्रहार

लखनऊ। आशियाना थाना क्षेत्र अंतर्गत बीते दो दिन पूर्व बेखौफ दबंगो ने लेनदेन के विवाद में बकायेदार के दुकान में घुस जमकर तोड़फोड़ करते हुए लाठी डंडों से प्रहार कर दिया विरोध पर घर की महिलाओं को भी मारपीट कर छेड़छाड़ व अभद्रता कर डाले। पीड़ित ने स्थानीय थाने पर पहुंचकर पुलिस से लिखित शिकायत की लेकिन कोई सुनवाई न होने पर एसीपी कैंट से मदद की गुहार लगाई,एसीपी के फटकार के बाद पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है। आशियाना कोतवाली क्षेत्र के बंगला बाजार मकान संख्या ५८४क/२१६ में सत्येंद्र गुप्ता पुत्र स्व मंगली प्रसाद अपनी पत्नी व बेटे बेटी संग रहते है और घर के निचले तल पर दुकान चलाते है। पीड़ित के मुताबिक अमन वर्मा व अनिल वर्मा से उनका लेन देन का विवाद है इस विवाद के कारण गुरुवार शाम अमन वर्मा ,अनिल वर्मा अपने पिता व रिस्तेदारो और लगभग डेढ़ दर्जन अज्ञात लोगों को लेकर लाठी डंडा सरिया लेकर उनके दुकान में घुस तोड़फोड़ करते हुए उन्हें सड़क पर गिरा मारने पीटने लगे जब उनकी पत्नी व बेटी ने इस मारपीट का विरोध किया तो उनके साथ भी गाली गलौज कर अभद्रता करते हुए कपड़ा फाड़ छेड़छाड़ कर डाले । घटना की शिकायत स्थानीय थाना आशियाना पहुंचकर किया तो पुलिस मेडिकल करा टालमटोल करती रही लेकिन चौबीस घंटे बाद भी मुकदमा नहीं दर्ज कर सकी।जिसपर पीड़ित ने एसीपी कैंट से फरियाद की है। एसीपी के हस्तक्षेप के बाद स्थानीय पुलिस ने आरोपियों समेत पंद्रह बीस अज्ञात के खिलाफ छेड़छाड़, अभद्रता व मारपीट की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है।

कृषि कानून की वापसी तक किसान आंदोलन को समर्थन : प्रियंका

रामपुर। दिल्ली में ट्रैक्टर रैली के दौरान जान गंवाने वाले किसान नवरीत सिंह की अंतिम अरदास में शिरकत करने पहुंची कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा कि कृषि कानून वापस नहीं लेना और किसानो को आतंकवादी कहना केन्द्र सरकार के जुल्म की पराकाष्ठा है और उनकी पार्टी काले कानून की वापसी तक किसानो के आंदोलन का साथ देगी। वाड्रा गुरूवार को रामपुर में बिलासपुर क्षेत्र के डिबडिबा गांव पहुंची और मृतक किसान की संगत कार्यक्रम में हिस्सा लिया। वह नवरीत की मां और अन्य परिजनो से मिली और उन्हे ढाढस बंधाया। मंच से श्रद्धालुओं और परिजनों को संबोधित करते हुए उन्होने कहा " २५ साल का नवरीत सिंह किसी राजनीतिक साजिश के तहत नहीं बल्कि किसानों के दुख दर्द के कारण दिल्ली ट्रैक्टर रैली में गया था। गुरु गोविंद सिंह जी का कहना है कि जुल्म करना पाप है तो जुल्म को सहना उससे बड़ा पाप है। सरकार द्वारा कृषि कानून वापस नहीं लेना बहुत बड़ा जुल्म है,इससे भी बड़ा जुल्म वह है जो किसानों, शहीदों को यह आतंकवादी कहते हैं। अगर किसानों, देशवासियों की परेशानियों को नेता नहीं समझ सकते तो वह नेता किसी काम के नहीं हैं। उन्होने

कहा " मृतक के परिवार साथ पूरा देश खड़ा है। आप अकेले नहीं हैं यह हमारी लड़ाई है। नवरीत की शहादत को व्यर्थ नहीं होने देंगे। इस आंदोलन को तब तक जारी रखेंगे जब तक तीनों काले कानून वापिस नहीं हो जाते। वाड्रा के दौरे को लेकर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किये गये थे। कांग्रेसी नेता ने नवरीत सिंह के परिजनों से मुलाकात की और उन्हे ढाढस बंधाया। इस मौके पर पूर्व सांसद बेगम नूरबानो, पूर्व मंत्री नवाब काजिम अली खां उर्फ नवेद मियां और किसान नेता राकेश टिकैत के पुत्र गौरव टिकैत समेत कांग्रेस के कई नेता मौजूद थे। कांग्रेस महासचिव के औचक दौरे की जानकारी मिलते ही जिला प्रशासन और खुफिया विभाग चौकन्ना हो गया था। श्रीमती वाड्रा के काफिले को निर्विन कार्यक्रम स्थल तक जाने दिया गया। हालांकि इस दौरान मुरादाबाद से रामपुर तक पुलिस बल की तैनाती की गई थी। गौरतलब है कि गणतंत्र दिवस के दिन किसानो ने कृषि कानून के विरोध में दिल्ली में ट्रैक्टर रैली निकाली थी। इस दौरान हुयी भगदड़ और हिंसा में नवरीत सिंह की मृत्यु हो गयी थी। पुलिस ने पोस्टमार्टम रिपोर्ट का हवाला देते हुये कहा था कि किसान की मौत चोट लगने की वजह से हुयी है।

डिप्लोमा इंजीनियर्स संघ लोक निर्माण विभाग का ६५वां अधिवेशन हुआ सम्पन्न

लखनऊ। डिप्लोमा इंजीनियर्स संघ लोक निर्माण विभाग का ६५वां अधिवेशन शनिवार को डिप्लोमा इंजीनियर्स संघ भवन प्रेक्षागृह में सम्पन्न हुआ। संघ के प्रान्तीय अधिवेशन में प्रदेश के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में नामांकन और नाम वापसी के बाद निर्विरोध कार्यकारिणी की घोषणा की गई। संघ के अध्यक्ष पद पर लगभग १५ वर्षो से विभिन्न पदों का कार्य देख रहे और वर्तमान कार्यकारिणी में अतिरिक्त महामंत्री और संघ के महाधिवत्ता कहे जाने वाले इं. नारेन्द्रधर द्विवेदी (इं. एन.डी. द्विवेदी) को अध्यक्ष चुना गया। कार्यकाल में किए गए डिप्लोमा इंजीनियर्स हितों के कार्यो का उल्लेख करते हुये निवर्तमान प्रदेश अध्यक्ष इं. हरिकिशोर तिवारी ने कहा कि संगठन चलाना आसान नहीं, हर क्षण संघर्ष से कम नहीं। आप लोगों को अगर संगठन और अपनी शक्ति को इसी तरह बरकरार रखना है तो इस बॉत को जरूर ध्यान रखना कि संगठन में जातिपाति, क्षेत्र या भाई भतीजा वाद को कोई जगह नहीं मिलनी चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि

लोग मेरे कार्यकाल के पहले और अंतिम दिन तक का कोई भी समय देख ले मैने अपने आप को संगठन के लिए तन मन धन से समर्पित रखा। संघ भवन के प्रेक्षागृह में आयोजित अधिवेशन में डिप्लोमा इंजीनियर्स महासंघ ने निर्धारित पैनल के तहत नियुक्त मुख्य निर्वाचन अधिकारी डिप्लोमा इंजीनियर्स संघ राजकीय निर्माण के महामंत्री इं. एस.डी. द्विवेदी, सहायक निर्वाचन अधिकारी अध्यक्ष डिप्लोमा इंजीनियर्स संघ सेतु निगम इं. एस.पी. गुप्ता और सहयोगी इं. मिर्जा फिरोज शाह, इं. दिवाकर गौतम इं. श्रवण कुमार और डिप्लोमा इंजीनियर्स महासंघ के महासचिव इं. जी.एन. सिंह की उपस्थिति में निर्वाचन प्रक्रिया सम्पन्न हुई। अध्यक्ष और महामंत्री पद के लिए तीन तीन नामांक पत्र दाखिल हुए, निर्वाचन अधिकारी ने बताया गया कि अध्यक्ष और महामंत्री पद पर दो –दो नामांकन पत्र वापिसी के बाद सम्पूर्ण कार्यकारिणी को निर्विरोध निर्वाचित घोषित किया गया। सहायक निर्वाचन अधिकारी इं एस.पी. गुप्ता ने निर्वाचन की घोषण करते हुए बताया कि अध्यक्ष पद पर ई नारेन्द्रधर द्विवेदी (इं. एन.डी. द्विवेदी), वरिष्ठ उपाध्यक्ष इं. श्रवण कुमार यादव, महामंत्री इं. प्रकाश चन्द्र, उपाध्यक्ष मध्यांचल इं. श्रीयोधन, उपाध्यक्ष पश्चिमांचल इं. पंकज सिह चौहान,उपाध्यक्ष पूर्वांचल इं. चन्द्रजीत यादव, उप महामंत्री मध्यांचल इं. अशोक कुमार सोनी, उप महामंत्री परिचमांचल इं. राजीव कुमार, उप महामंत्री पूर्वाचल इं. चन्द्रप्रताप, मंत्री वित्त इं. उदित भटनागर, मंत्री लेखा प्रथम इं. अनित कुमार, मंत्री लेखा द्वितीय इं. सुनील दत्त, मंत्री जीपीएफ इं. पंकज, मंत्री सिविल इं.रवि कुमार वर्मा, मंत्री विघुत इं. लवकुश भारती, मंत्री यॉत्रिक इं. के.के. गौतम, मंत्री प्राविधिक इं. चद्रकेश, मंत्री स्नातक इं. रूचि गुप्ता, मंत्री प्रोन्नत प्राप्त अवर अभियंता इं. अक्षय वीर सिंह, मंत्री पेंशन अवशेष इं. ओ.पी. यादव, मंत्री वित्त परिवार सहायता कोष इं. अरविन्द कुमार पोरवाल, मंत्री प्रोन्नत प्राप्त अधिकारी इं. श्यामेंष्ण श्रीवास्तव और मंत्री प्रतिनियुक्ति इं. संतोष कुमार मिश्रा चुने गए। अधिवेशन के दौरान महासंघ के निवर्तमान अध्यक्ष इ.एस.पी. मिश्रा, जल निगम के इं. राघवेन्द्र गुप्ता, आल इण्डिया चालक फेडरेशन के अध्यक्ष रामफेर पाण्डेय, चालक संघ लोक निर्माण विभाग के पूर्व अध्यक्ष त्रिलोक सिंह, डिप्लोमा इंजीनियर्स संघ के निवर्तमान महामंत्री इं. बी.के. कुशवाहा, निवर्तमान उपाध्यक्ष इं. दिवाकर राय, इं. राजेश श्रीवास्तव, इं. एच. एन. मिश्रा, इं. सुनील पाण्डेय मौजूद रहे।

कृषि कानूनों पर सिर्फ एक राज्य के किसान गलतफहमी के शिकार : तोमर

नई दिल्ली। कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने आज राज्यसभा में तीनों कृषि कानूनों पर उठे सवालों का जवाब देते हुए कांग्रेस समेत विपक्ष पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि किसानों को बरगलाया गया और सिर्फ एक राज्य (पंजाब) के किसान गलतफहमी के शिकार हैं। कानूनों को काला कहा जाता है, लेकिन मैं हर बैठक में पूछता रहा कि इसमें क्या काला है, किसी ने कोई जवाब नहीं दिया। कृषि मंत्री तोमर ने कहा कि दुनिया जानती है कि पानी से खेती होती है, खून से खेती सिर्फ कांग्रेसी कर सकते हैं। राज्यसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव की चर्चा में भाग लेते हुए तोमर ने कहा, तीन कृषि सुधार कानूनों की बात आज ज्वलंत मुद्दा है। प्रतिपक्ष के नेताओं ने किसान आंदोलन पर सरकार को कोसने में कोई कंजूसी नहीं की। उन्होंने कानूनों को काला बताया। मैं किसान यूनियन से दो महीने तक यह पूछता रहा कि कानून में काला क्या है, बताओ तो ठीक करने की कोशिश करूं। लेकिन वहां भी मालूम नहीं पड़ा। कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने कहा कि सरकार ने ट्रेड एक्ट बनाया। यह प्रावधान है कि एपीएमसी के बाहर जो एरिया होगा वह ट्रेड एरिया होगा। यह किसान का घर या खेत भी हो सकता है। एपीएमसी के बाहर कोई ट्रेड होगा तो किसी भी प्रकार का टैक्स नहीं लगेगा। जबकि एपीएमसी के भीतर राज्य सरकार टैक्स लेती है, जबकि बाहर केंद्र सरकार ने टैक्स खत्म किया है। कृषि मंत्री तोमर ने कहा, हमने टैक्स को फ्री किया। जबकि राज्य सरकारें एपीएमसी के अंदर टैक्स ले रही है। आंदोलन किसके खिलाफ होना चाहिए, जो टैक्स ले रहा है या जो टैक्स फ्री कर रहा है। लेकिन, देश में उल्टी गंगा बह रही है। टैक्स फ्री करने के खिलाफ आंदोलन हो रहा है। कृषि मंत्री तोमर ने कहा कि मोदी सरकार किसानों के प्रति प्रतिबद्ध है। किसान आंदोलन को हम लोगों ने लगातार सम्मान देने की कोशिश की है। १२ बार ससम्मान बुलाकर बातचीत की है। एक शब्द भी हमने इधर–उधर नहीं बोला है। हमने यह जरूर बोला है कि प्रावधान में कहां गलती है, उसे बताइए। हमने उनकी भावना के अनुरूप उनकी शंकाओं का समाधान करने की कोशिश की। कृषि मंत्री तोमर ने कहा, हमने किसान संगठनों को प्रस्ताव भी दिया। अगर भारत सरकार कोई संशोधन करने के लिए तैयार है, इसका मतलब यह नहीं कि कानून में कोई गलती है। पूरे एक राज्य में गलतफहमी के शिकार हैं लोग। किसानों को इस बात के लिए बरगलाया गया है कि यह कानून आपकी जमीन को ले जाएंगे। मैं कहता हूं कि कांट्रैक्ट फार्मिंग में कोई एक प्रावधान बताएं, जो प्रावधान व्यापारी को किसान की जमीन छीनने की आजादी देता है। दुनिया जानती है कि पानी से खेती होती है, खून से खेती सिर्फ कांग्रेसी कर सकते हैं।

कांग्रेस ने २६ जनवरी हिंसा मामले में न्यायायिक जांच की मांग की

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता आनंद शर्मा ने राज्यसभा में आज राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर बोलते हुए कहा कि वह एक काला दिन था जब कृषि कानून पारित किए गए क्योंकि सदन की कार्यवाही सुचारु रूप से नहीं चल रही थी। उन्होंने २६ जनवरी हिंसा ममाले में सुप्रीम कोर्ट के मौजूदा जज द्वारा न्यायायिक जांच कराने की मांग की। शर्मा ने कहा, जिस तरह से महामारी के दौरान कृषि अध्यादेश लाया गया था, वह सामान्य नहीं था, इतनी जल्दी क्यों थी, क्यों इसे समिति को नहीं भेजा गया .. वह काला दिन था जब राज्यसभा में कृषि कानून पारित किए गए थे। उन्होंने आरोप लगाया कि २६ जनवरी की घटना में एक साजिश थी। मैं इसकी निंदा करता हूं लेकिन सुप्रीम कोर्ट के एक मौजूदा जज द्वारा न्यायिक जांच होनी चाहिए कि लाल किले में कुछ ट्रैक्टर कैसे पहुंचे, किसने उन्हें अंदर जाने दिया। उन्होंने कहा, किसी को भी उन लोगों पर हमला करने का अधिकार नहीं है जो अपने कर्तव्यों का निर्वहन कर रहे हैं। लाल किले की घटना ने पूरे देश को स्तब्ध कर दिया है और इसकी जांच होनी चाहिए। हम २६ जनवरी की हिंसा के दौरान घायल हुए पुलिसकर्मियों और अधिकारियों के प्रति सहानुभूति व्यक्त करते हैं। कांग्रेस नेता ने सरकार से अहंकार को छोड़ कृषि कानूनों को तुरंत वापस लेने का आग्रह किया। शर्मा ने कहा, हम देश के हित में प्रधानमंत्री और सरकार का समर्थन करेंगे लेकिन हम उस किसी भी निर्णय को चुनौती देंगे जो देश के लोकतांत्रिक मूल्यों के खिलाफ है। उन्होंने कहा कि किसान अपने अधिकारों के लिए लड़ने और न्याय पाने के लिए मजबूर है और जो स्थिति पैदा हुई है उसके लिए सरकार जिम्मेदार है। शर्मा ने देश के विकास में कांग्रेस सरकार के योगदान का भी जिक्र किया।

भारत में कोरोना के ११,७१३ नए मामले

नई दिल्ली। भारत में पिछले २४ घंटों में कोरोनावायरस के ११,७१३ नए मामले सामने आए हैं, जिससे कुल मामलों की संख्या बढ़कर १,०८,१४,३०४ हो गई है। स्वास्थ्य

अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। एक हफ्ते से, देश में रोजाना १५,००० से कम नए संक्रमण दर्ज किए गए हैं। इसके अलावा, दैनिक कोविड–१६ की मौत का आंकड़ा एक महीने से अधिक समय से ३०० से कम है। १६ जनवरी को, भारत ने १०,०६४ नए मामले दर्ज किए थे, जो इस साल सबसे कम है। पिछले साल, ३ जून को सबसे कम ६,६३३ मामले दर्ज किए गए थे। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने कहा कि ६५ और कोवि–१६ मौतें होने के साथ इस बीमारी से मरने वालों की कुल संख्या १,५४,६१८ हो चुकी है। मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, १४,४८८ रोगियों को एक दिन में अस्पताल से छुट्टी देने के बाद वर्तमान में १,४८,५६० सक्रिय मामले हैं। अब तक, १,०५,१०,७६६ लोगों को अस्पताल से छुट्टी दी जा चुकी है। रिकवरी दर बढ़कर ६७.२ प्रतिशत हो गई है, जबकि मृत्यु दर घटकर १.४३ प्रतिशत हो गई है। इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च (आई सीएमआर) ने कहा कि कुल २०,०६,७२,५८६ नमूनों का परीक्षण ५ फरवरी तक किया गया है। इनमें से ७,४०,७६४ नमूनों का शुक्रवार को परीक्षण किया गया। १६ जनवरी को टीकाकरण अभियान शुरू होने के बाद से भारत में कोरोना वैक्सीन की लगभग ५४,१६,८४६ खुराक दी गई है। स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, भारत देश में टीकाकरण के मामले में विश्व स्तर पर पांचवें स्थान पर है, भले ही कई देशों ने भारत से पहले अपने टीकाकरण अभियान शुरू किए थे।

२६ जनवरी की हिंसा पर गूगल से संपर्क करेगी दिल्ली पुलिस

नई दिल्ली। सोशल मीडिया हैंडल पर अपलोड किए गए 'टूलकिट डॉक्यूमेंट' की जांच की जा रही है। दिल्ली पुलिस का मानना है कि राष्ट्रीय राजधानी में २६ जनवरी की हुई हिंसा स्क्रिप्टेड थी। पुलिस अब उस आईपी एड्रेस का पता

लगाने के लिए गूगल से संपर्क कर रही है, जहां से ये डॉक्यूमेंट अपलोड हुआ था। इस सिलसिले में अब ३०० सोशल मीडिया हैंडल संदेह के घेरे में हैं। इसका मतलब यह है कि दिल्ली पुलिस को नए मोर्चे वुर्चअल सोशल मीडिया अकाउंट का सामना करना है और यह जांच अब 'अंतर्राष्ट्रीय' हो गई है। दिल्ली पुलिस ने एक बयान में कहा, टूल किट के रचनाकारों की मंशा विभिन्न सामाजिक, धार्मिक और सांस्कृतिक समूहों के बीच असहमति पैदा करना और भारत सरकार के खिलाफ असहमति और अंसतोष को प्रोत्साहित करना था। इसका उद्देश्य भारत के खिलाफ सामाजिक सांस्कृतिक और आर्थिक लड़ाई को भी गति देना है। प्रारंभिक जांच से पता चला है कि 'टूलकिट' एक खालिस्तानी संगठन 'पोएटिक जस्टिस फाउंडेशन' द्वारा बनाया गया है। पुलिस का मानना है कि २६ जनवरी की हिंसा सहित पिछले कुछ दिनों की घटनाओं कें संबंध में टूलकिट में हूबहू 'एक्शन प्लान' का वर्णन है। हालांकि दिल्ली पुलिस इसे देश को बदनाम करने के लिए एक 'अंतरराष्ट्रीय साजिश' मानती है, लेकिन पुलिस ने एफआईआर में किसी को भी नामजद नहीं किया है और इसकी जांच साइबर सेल द्वारा की जाएगी।

लोकभवन के सामने सामूहिक आत्मदाह की कोशिश

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी के बीचों–बीच हजरतगंज में लोकभवन और विधानसभा के सामने शुक्रवार को एक ही परिवार के पांच लोगों ने आत्मदाह करने की कोशिश की, लेकिन पुलिस ने समय पर उन्हें रोक कर स्थिति को संभाल लिया। पुलिस उपायुक्त (मध्य) सोमेन बर्मा ने बताया कि हरदोई के धन्नूपुरवा के रहने वाले एक परिवार ने शुक्रवार को आत्मदाह का प्रयास किया। वहां मौजूद पुलिस कर्मियों ने एक व्यक्ति को खुद पर तेल डालता देखते ही उसे पकड़ लिया और अन्य को भी रोक दिया। उनसे पूछताछ की जा रही है। उन्होंने बताया कि परिवार के एक सदस्य ने जैसे ही अपने ऊपर मिट्टी का तेल डाला, वहां मौजूद

पुलिसकर्मियों ने तत्परता दिखाते हुए उन्हें पकड़ लिया। वे आग नहीं लगा सके और कोई जख्मी नहीं हुआ है। उन्होंने बताया कि हरदोई के धन्नूपुरवा के निवासी राजाराम, उमेश यादव, वीरू यादव, उषा देवी, माया लोक भवन पहुंचे। यह सब एक ही परिवार के सदस्य हैं। इसमें से राजाराम ने तेल उड़ेलकर आत्मदाह की कोशिश की, लेकिन पुलिस ने समय पर उन्हें रोक लिया। पुलिस सूत्रों ने बताया कि राजाराम का आरोप है कि वह जिस मकान में रहते हैं, उस पर कुछ लोग कब्जा करना चाहते हैं। इस संबंध में हरदोई के शहर कोतवाली की पुलिस से शिकायत की गई लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। डीसीपी बर्मा ने बताया कि हरदोई पुलिस के अधिकारियों से बात की गयी है और मामले की जांच की जा रही है।

माफियाओं के सामने प्रदेश सरकार असहाय : कमलनाथ

भोपाल। मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने आज आरोप लगाया कि प्रदेश सरकार माफियाओं के समाने असहाय है। कमलनाथ ने ट्वीट कहा कि प्रदेश में प्रतिदिन माफियाओ द्वारा पुलिस पर, सुरक्षाकर्मियों पर हमले की घटनाएं सामने आ रही है। रेत माफिया, वन माफिया सभी तरह के माफिया सक्रिय हैं। इन घटनाओं से यह साबित हो रहा है कि प्रदेश सरकार माफियाओ के सामने असहाय स्थिति में है। कमलानाथ ने कहा कि हमने कांग्रेस सरकार में जमीनी कार्यवाही करते हुए प्रदेश में माफियाओ को कुचलने व नेस्तनाबूद करने का अभियान चलाया था। उसकी गवाह खुद्द प्रदेश की जनता है।

प्राइमरी और जूनियर स्कूल खोलने के आदेश जारी

लखनऊ। करीब साल भर से बच्चों के बिना सूने पड़े स्कूल जल्द ही फिर से गुलजार होने वाले हैं। कोरोना के कहर के चलते प्रदेश सरकार ने बच्चों की स्वास्थ्य सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए स्कूलों को बंद करने का निर्णय लिया था। काफी समय बीत जाने पर अब धीरे–धीरे हालात सामान्य होने लगे हैं। कोरोना की वैक्सीन भी आ जाने से लोगों ने राहत की सांस ली है। ऐसे में योगी सरकार ने बड़ा फैसला लेते हुए स्कूलों को खोलने का निर्णय लिया है। जहां एक तरफ कक्षा एक से लेकर पांचवीं तक के प्राइमरी स्कूल एक मार्च से खोल दिए जाएंगे। वहीं दूसरी तरफ कक्षा छह से लेकर आठ तक के जूनियर स्कूल १० फरवरी से ही खोलने के आदेश सरकार द्वारा जारी कर दिए गए हैं। बच्चों के स्कूल खोलने को लेकर अपर मुख्य सचिव, बेसिक शिक्षा, रेणुका कुमार ने आदेश जारी कर दिया है। केंद्र के दिशा निर्देशों के अनुरूप शिक्षण कार्य प्रारम्भ करने के लिए कार्यवाही करेंरू योगी उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को कहा कि केंद्र के दिशा निर्देशों के अनुरूप शिक्षण संस्थानों में शैक्षिक कार्य प्रारम्भ करने के लिये कार्यवाही की जाये। उन्होंने कहा कि सर्वप्रथम उच्च एवं माध्यमिक शिक्षण संस्थाओं में और इसके बाद अन्य सभी विद्यालयों में कक्षा संचालन की कार्यवाही शुरू की जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि कोविड–१९ संक्रमण दर को नियंत्रित करने में प्रदेश द्वारा प्राप्त की गई सफलता को आगे भी इसी प्रकार कायम रखने के लिए सभी उपाय जारी रखे जाएं। उन्होंने कहा कि इस सम्बन्ध में थोड़ी भी लापरवाही भारी पड़ सकती है और इसके दृष्टिगत पूरी सतर्कता बरतना आवश्यक है। उन्होंने कोविड–१९ से बचाव तथा उपचार की प्रभावी व्यवस्था बनाए रखने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री शुक्रवार को यहां लोक भवन में एक बैठक में अनलक व्यवस्था की समीक्षा कर रहे थे।

विरोध करने वालों को जेल में डाला जा रहा है : राउत

नई दिल्ली। शिवसेना नेता संजय राउत ने आज ऐसे लोगों के खिलाफ झूठे मामले दर्ज करने के लिए सरकार को फटकार लगाई है, जो विरोध जता रहे हैं। राष्ट्रपति के अभिभाषण पर ध न्यवाद प्रस्ताव के दौरान उन्होंने यह बात रखी। किसानों के मुद्दे पर बात करते हुए राउत ने कहा, सांसद, पत्रकारों पर देशद्रोह के मामले दर्ज किए जा रहे हैं। आप इनके साथ किस तरह का व्यवहार कर रहे हैं। राउत ने एक जाने–माने पत्रकार के व्हाट्सएप चौट के सार्वजनिक हो जाने का भी मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि उन्होंने (पत्रकार) अफिशियल सीक्रेट्स एक्ट का उल्लंघन किया

है। उन्होंने सरकार पर सवाल उठाते हुए पूछा कि आप इनके खिलाफ कौन सा मामला दर्ज करने वाले हैं। यह राष्ट्रीय सुरक्षा का मामला है। गणतंत्र दिवस के दौरान देश में हुई घटना पर उन्होंने कहा, यह सार्वजनिक किया जाना चाहिए कि किसने लाल किले पर चढ़कर हंगामा खड़ा किया, वह किसके करीब है. .और क्यों उसके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की गई। राउत ने यह भी कहा कि कंगना रनौत को किस बात की इतनी छूट मिलती है। इससे पहले सीपीआई के राज्यसभा सांसद बिनय विश्वम ने भी किसानों के मुद्दे पर सरकार की आलोचना कर चुके हैं।

गायत्री प्रसाद प्रजापति से अवैध कमाई पर ईड फिर करेगी पूछताछ

लखनऊ। गायत्री प्रसाद प्रजापति बीते करीब साढ़े तीन वर्ष से जेल में बंद हैं। बालिका के दुष्कर्म के मामले में पॉक्सो एक्ट की कार्रवाई झेलने वाले प्रजापति के खिलाफ अवैध धन के मामले में भी आरोपित हैं। आय से छह गुणा अधिक संपत्ति अर्जित करने के मामले में अब एक बार फिर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की टीम प्रजापति से एक बार फिर पूछताछ करेगी। प्रदेश में खनन घोटाले की पड़ताल तेज होने के बाद अब गायत्री प्रसाद प्रजापति पर भी शिकंजा कसा जाना तय है। उत्तर प्रदेश की अखिलेश यादव सरकार में परिवहन के बाद खनन मंत्री रहे गायत्री प्रसाद प्रजापति ने वर्ष २०१२–१७ के दौरान मंत्री रहते हुए आय से छह गुना अधिक संपत्तियां बनाईं। इस दौरान वैध स्रोतों से उनकी आय ५० लाख रुपये के करीबी थी, जबकि उनके पास तीन करोड़ से अधिक की संपत्तियां मिलीं। वर्ष २०१२–१७ के दौरान मंत्री रहते हुए गायत्री प्रजापति ने आय से छह गुना अधिक संपत्तियां बनाईं। वैध स्रोतों से उनकी आय ५० लाख रुपये के करीबी थी, जबकि उनके पास तीन करोड़ से अधिक की संपत्तियां मिलीं। विजिलेंस को २२ ऐसी बेनामी संपत्तियों की भी जानकारी मिली, जो इसी अवधि में प्रजापति के करीबियों के नाम पर खरीदी गईं। ये संपत्तियां करीबी रिश्तेदारों, निजी सहायकों और ड्राइवरों के नाम पर हैं। गायत्री के खिलाफ विजिलेंस ने भी लगभग दो माह पहले आय से अधिक संपत्ति का

केस दर्ज किया था। इसकी जांच में गायत्री की आय से छह गुना अधिक संपत्ति सामने आई थी। जांच में गायत्री की लखनऊ, अमेठी, सुलतानपुर व प्रतापगढ़ में २१ संपत्तियां सामने आई थीं। इससे पहले बीती चार सितंबर को इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच ने पूर्व खनन मंत्री गायत्री प्रसाद प्रजापति को अंतरिम जमानत दी थी।खनन घोटाले में पूर्व मंत्री गायत्री प्रसाद प्रजापति से अब प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) जल्द ही दोबारा पूछताछ करेगी। कौशाम्बी के डीएम रहे समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव के करीबी आइएएस सत्येंद्र सिंह के ठिकानों पर सीबीआइ की छानबीन के बाद उत्तर प्रदेश में खनन घोटाले की पड़ताल तेज हो गई है। इसी घोटाले में गायत्री प्रसाद प्रजापति के खिलाफ एक और मामला दर्ज किया गया है। लखनऊ जिला जेल में बंद पूर्व मंत्री गायत्री प्रजापति के अमेठी के आवास पर प्रवर्तन निदेशालय के छापेमारी के दौरान करोड़ों रुपया की अवैध सम्पत्ति का मामला सामने आया था। इस मामले में पूर्व मंत्री के गायत्री प्रसाद प्रजापति के बाद उनके पुत्र अनिल प्रजापति को भी पुलिस गिरफ्तार कर चुकी है। अनिल प्रजापति के खिलाफ लखनऊ में खरगापुर गोमती नगर निवासी बृज भवन ने गोमती नगर विस्तार थाने में मुकदमा दर्ज कराया था। अखिलेश सरकार में मंत्री रहे प्रजापति सामूहिक दुष्कर्म के आरोप में लखनऊ जेल में बंद हैं। गायत्री प्रजापति के खिलाफ २०१७ में सामूहिक दुष्कर्म का केस दर्ज हुआ था। केस में तीन जून, २०१७ को गायत्री के अलावा छह अन्य पर चार्जशीट दाखिल की गई थी। इसके साथ १८ जुलाई, २०१७ को लखनऊ की पॉक्सो स्पेशल कोर्ट ने सातों आरोपियों पर केस दर्ज करने का आदेश दिया था।

राजभवन पुष्प प्रदर्शनी में यूपी मेट्रो का स्टॉल आकर्षित करने के लिए पूरी तरह से तैयार

लखनऊ। राजभवन में हर साल लगने वाले प्रादेशिक फल, शाकभाजी एवं पुष्प प्रदर्शनी में उत्तर प्रदेश मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन का स्टॉल लोगों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित करने के लिए पूरी तरह से तैयार है। राज्यपाल

आनंदीबेन पटेल तीन दिवसीय पुष्प प्रदर्शनी का उद्घाटन करेंगी। यह प्रदर्शनी ६ से ८ फरवरी तक लगेगी। आम दर्शक सात फरवरी को अवलोकन के लिए जा सकते हैं। कार्यक्रम में यूपी मेट्रो के प्रबंध ा निदेशक कुमार केशव व मेट्रो के अधिकारी मौजूद रहेंगे। लखनऊ मेट्रो का स्टॉल जहां एक ओर लखनऊ मेट्रो के साल भर के सफर को प्रदर्शित करेगा तो वहीं आगरा व कानपुर मेट्रो परियोजनाओं के निर्माण कार्य की प्रगति की जानकारी भी लोगों को मिलेगी। यूपी मेट्रो के हॉर्टीकल्चर विभाग के मनमोहक पुष्प भंडार में इस बार सिनरेरिया गमलों का कलात्मक समूह देखने को मिलेगा। हॉर्टीकल्चर विभाग का आयरन फ्रेम पर ओसिस व जरबेरा जैसे फूलों की मदद से यूपी मेट्रो का लोगों भी इस बार की अनूठी पहल है। यूपी मेट्रो को पिछले साल हुई राजभवन की पुष्प प्रदर्शनी में फूलों की सजावट और हार्टीकल्चर डिजाइन के लिए कई पुरस्कार मिले थे। जिसमें मंडप की फूलों से कलात्मक सजावट के लिए प्रथम पुरस्कार मिला था। मेट्रो स्टॉल में दी जानकारी के बारे में कुमार केशव ने कहा कि इस बार की प्रदर्शनी लोगों को लखनऊ मेट्रो के साल भर के सफर की जानकारी तो देगा ही साथ ही उत्तर प्रदेश मेट्रो की योजनाओं के बारे में भी अवगत कराएगा।

लखनऊ के डीएम, पुलिस कमिश्नर और जेसीपी ने लगवाई कोरोना वैक्सीन

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ केजिलाधिकारी और पुलिस कमिश्नर ने शुक्रवार को कोविड–१९ की वैक्सीन लगवाने के बाद कहा कि वे पूरी तरह स्वस्थ

है और लोगों को टीकाकरण को लेकर किसी भी भ्रम में आने की जरूरत नहीं है। जिलाधिकारी अभिषेक प्रकाश ने कलेक्ट्रेट ऑफिस में कोविड–१९ वैक्सीन लगवायी जबकि पुलिस कमिश्नर डी के ठाकुर ने एसजीपीजीआई में कोरोना का टीका लगवाया। जवाइंट पुलिस कमिश्नर लां एंड ऑर्डर नवीन अरोरा को भी कोरोना का टीका लगाया गया। ऑब्जर्वेशन रूम में आधे घण्टे बिताने के बाद पुलिस कमिश्नर ने कहा "आज मैने वैक्सीन ली है। ये पूरी तरह सुरक्षित है। किसी को वैक्सीन को लेकर भ्रम नहीं रखना चाहिए और अपने तथा परिवार की स्वास्थ्य की खातिर वैक्सीनेशन कार्यक्रम में बढ़ चढ़ कर हिस्सा लेना चाहिये।

राहुल ने किसानों के चक्का जाम को दिया समर्थन

नई दिल्ली। तीन कृषि कानून के विरोध में किसानों के तीन घंटे के चक्का जाम को कांग्रेस ने समर्थन दिया है। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने ट्वीट कर कहा, अन्नदाता का शांतिपूर्ण सत्याग्रह देशहित में है– ये तीन कानून सिर्फ, किसान–मजदूर के लिए ही नहीं, जनता व देश के लिए भी घातक हैं। पूर्ण समर्थन! कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने भी 'चक्का जाम' के मद्देनजर सुरक्षा और पुलिस कर्मियों की भारी तैनाती को लेकर सरकार पर कटाक्ष किया। उन्होंने ट्वीट किया, क्यों डराते हो डर की दीवार से।

फल विक्रेता को किया पीट कर किया अधमरा पत्रकार समेत दो गिरफ्तार

लखनऊ। राजधानी में एक फल विक्रेता को स्कार्पियो कार सवार तीन से चार दबंगों ने बीच सड़क जमकर पीटा। इतने से दिल नहीं भरा तो उसका ठेला पलट दिया। सड़क पर फल फैला दिए। इसके बाद असलहा लहराते फरार हो गए। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि स्कार्पियो कार से उतरे दबंग ठेले पर टॉयलेट करने लगे। मना करने से नाराज होकर मारपीट कर भाग निकले। पुलिस ने दो हमलावरों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। इनमें से एक आरोपित ने खुद को पत्रकार बताकर रौब झाड़ने की कोशिश की। पीड़ित की हालत नाजुक बनी हुई है। मामला वजीरगंज थानाक्षेत्र के डालीगंज चौराहे का है। यहां के निवासी पवन कुमार एक फल विक्रेता है। पीड़ित के मुताबिक, शुक्रवार रात चौराहे पर वह ठेले पर फल बेच रहा था। आरोप है कि इस बीच एक स्कार्पियो रुकी और उसमें से तीन–चार युवक निकले। दो युवक ठेले पर टयलेट करने लगे। फल विक्रेता के विरोध ा पर गाली–गलौज कर दबंगों ने उसे जमकर पीटा। इतने से दिल नहीं भरा तो उसका ठेला पलट कर सारे फल सड़क पर फेंक दघिए। हमले में फल विक्रेता मौके पर ही निढाल होकर गिर पड़ा। इसके बाद हमलावर पिस्टल लहराते हुए भाग निकले। सूचना पर पहुंचे फल विक्रेता के भाई विपिन ने पुलिस कर्मियों की मदद से जख्मी को बलरामपुर लेकर पहुंचे। जहां, हालत नाजुक देख उसे भर्ती कर लिया गया। पुलिस ने प्रत्यक्षदर्शियों द्वारा बताए गए गाड़ी नंबर के आध ार पर दो हमलावरों को हिरासत में लिया। इंस्पेक्टर वजीरगंज ने बताया गया कि पकड़ा गया हमलावर अलीगंज त्रिवेणीनगर निवासी रंजीत सिंह और दूसरा मनीष शर्मा है। अन्य की तलाश में दबिश दी जा रही है।पकड़े जाने पर आरोपित रंजीत ने खुद को पत्रकार बताकर पुलिस कर्मियों पर रौब झाड़ने की कोशिश की। इसके बाद दोनों के खिलाफ विपिन की तहरीर पर जानलेवा हमला समेत अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज कर गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया।

किसानों का सामान्य रूप से प्रदर्शन जारी

गाजीपुर बॉर्डर। कृषि कानूनों के खिलाफ दिल्ली की सीमाओं पर किसानों का प्रदर्शन जारी है, ऐसे में किसानों ने आज देश भर में चक्का जाम करने का ऐलान किया है। हालांकि इस चक्का जाम का असर दिल्ली की सीमा के अंदर नहीं होगा, साथ ही उत्तरप्रदेश और उत्तराखंड में भी इसका असर देखने को नहीं मिलेगा। हालांकि, गाजीपुर बॉर्डर पर बैठे किसानों के लिए आज का दिन सामान्य दिनों की तरह ही लग रहा है, लेकिन पुलिस की तरफ से बर्डर पर सुरक्षा–व्यवस्था बढ़ा दी गई है। दरअसल गणतंत्र दिवस के दिन हुई हिंसा के बाद से पुलिस प्रशासन किसी तरह की कोई लापरवाही नहीं बरतना चाहता, यही कारण है कि पुलिस किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए तैयार खड़ी हई है। पुलिस बार–बार ड्रोन से बॉर्डर पर निगाह बनाए हुई है। पुलिस के आला अधिकारी भी बॉर्डर पर पहुंच स्थिति का जायजा ले रहे हैं। दूसरी ओर किसान हर दिन की तरह बॉर्डर पर सामान्य रूप से अपना विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। किसी तरह की कोई गतिविधि न तो किसान नेताओं की तरफ से की जा रही है और न ही प्रदर्शन में शामिल होने आए अन्य किसानों की तरफ से। बॉर्डर पर बैठे किसानों की तरफ से तैनात किए गए वालंटियर सुबह से ही स्थिति बनाए रखने में लोगों की मदद कर रहै हैं। इन सभी लोगों ने पुलिस की बैरिकेड से १०० मीटर पहले अपनी बैरिकेड लगा रखी है, ताकि किसी सामान्य व्यक्ति को आगे न बढ़ने दिया जाए।

चेन्नई टेस्टः रूट 156 पर नाबाद, लंच तक इंग्लैंड के 3/ 355 रन

चेन्नई। कप्तान जोए रूट (नाबाद १५६) और बेन स्टोक्स (नाबाद ६३) के शानदार प्रदर्शन की बदौलत इंग्लैंड ने यहां एमए चिदम्बरम स्टेडियम में मेजबान भारत के साथ जारी पहले टेस्ट मैच के दूसरे दिन शनिवार को लंच तक अपनी पहली पारी में तीन विकेट पर ३५५ रन बना लिए है। पारी की शुरूआत करने से पहले रूट ने कहा था कि उनकी टीम पहली पारी में ५०० से ज्यादा रन बनाने की कोशिश करेगी और फिलहाल तो मेहमान टीम उसी स्कोर की ओर अग्रसर होती हुई दिखाई दे रही है। लंच के समय रूट २७७ गेंदों पर १६ चाके और एक छक्का लगा चुके हैं जबकि स्टोक्स ने ६८ गेंदों पर नौ चौके और दो छक्के लगाए हैं। दोनों बल्लेबाजों के बीच चौथे विकेट के लिए अब तक ६२ रनों की साझेदारी हो चुकी है। भारत की ओर से बुमराह को दो और अश्विन को

एक सफलता मिली है जबकि अपना पदार्पण टेस्ट खेल रहे शाहबाज नदीम को अब तक एक भी विकेट नहीं मिला है। इससे पहले, इंग्लैंड ने अपने कल के स्कोर तीन विकेट पर २६३ रन से आगे खेलना शुरू किया। रूट ने अपनी पारी को १२८ रन से आगे बढ़ाया। स्टोक्स नए बल्लेबाज के रूप में मैदान पर उतरे। दोनों बल्लेबाजों ने संभलकर खेलते हुए इंग्लैंड का स्कोरबोर्ड जारी रखा और लंच तक मेहमान टीम को कोई झटका नहीं लगने दिया। विकेट को अच्छी तरह से पढ़ चुके रूट ने २६० गेंदों पर अपना १५० रन पूरा किया। रूट का भारत में टेस्ट में यह तीसरा बेस्ट स्कोर है। स्टोक्स ने भी जिम्मेदारी से खेलते हुए रूट का अच्छा साथ निभाया। भारत के पास ११२वें ओवर में अश्विन की गेंद पर स्टोक्स को रन आउट करने का मौका था। लेकिन वाशिंगटन सुंदर का थ्रो ज्यादा दूर था। इस बीच स्टोक्स ने लंच से पहले अपना २३वां अर्धशतक पूरा किया। उन्होंने ७६ गेंदों पर छह चौके और दो छक्कों की मदद से अपना अर्धशतक पूरा किया।

रूट का रिकॉर्ड दोहरा शतक, इंग्लैंड का पहाड़नुमा स्कोर

चेन्नई। कप्तान जो रूट (२१८) के रिकॉर्ड दोहरे शतक और बेन स्टोक्स की ८२ रन की आक्रामक अर्धशतकीय पारी की बदौलत

इंग्लैंड ने भारत के खिलाफ यहां एमए चिंदबरम स्टेडियम में पहले टेस्ट के दूसरे दिन शनिवार को आठ विकेट पर ५५५ रन का पहाड़नुमा स्कोर बना लिया। इंग्लैंड ने दूसरे दिन तीन विकेट पर २६३ रन से अपनी पारी को आगे बढ़ाया और दिन भर भारतीय गेंदबाजों को अपनी पारी समेटने का कोई मौका नहीं दिया। पहले दिन की तरह मैच का दूसरा दिन भी पूरी तरह रुट के नाम रहा। रुट ने १२८ रन से आगे खेलना शुरू किया और ३७७ गेंदों में १६ चौकों और दो छक्कों की मदद से २१८ रन बनाकर आउट हुए। रुट ने छक्का मारकर अपना दोहरा शतक पूरा किया। रुट ने दोहरे शतक के साथ १००वें टेस्ट में सर्वाधिक निजी स्कोर बनाने का पाकिस्तान के इंजमाम उल हक का रिकर्ड तोड़ दिया और वह इसके साथ ही १००वें टेस्ट में दोहरा शतक बनाने वाले पहले बल्लेबाज बन गए। इंजमाम ने मार्च २००५ में अपने १००वें मैच में बेंगलुरु में भारत के खिलाफ १८४ रन बनाये थे। रुट का यह पांचवां और पिछले तीन टेस्टों में दूसरा दोहरा शतक था। रुट ने इस दौरे पर आने से पहले श्रीलंका के खिलाफ पहले टेस्ट में २२८ और दूसरे टेस्ट में १८६ रन बनाये थे।

ब्याज दरों में बदलाव नहीं

मुंबई। महंगाई बढ़ने की चिंता में भारतीय रिजर्व बैंक, आरबीआई ने नीतिगत ब्याज दरों में कोई बदलाव नहीं करने का फैसला किया है। आरबीआई ने शुक्रवार को दोमासिक मौद्रिक नीति समीक्षा में प्रमुख नीतिगत दर में कोई बदलाव नहीं किया और रेपो रेट को चार फीसदी पर ही बरकरार रखा। हालांकि आरबीआई ने नीतिगत उदार रुख को बनाए रखा है, जिसका मतलब है कि भविष्य में जरूरत पड़ने पर कोविड–१९ संकट से प्रभावित अर्थव्यवस्था को समर्थन देने के लिए मुद्रास्फीति को काबू में रखते हुए नीतिगत दर में कटौती की जा सकती है। आरबीआई ने अगले वित्त वर्ष में विकास दर साढ़े १० फीसदी रहने का अनुमान जताया है। रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास ने एमपीसी के फैसले की जानकारी देते हुए अपने वर्चुअल संबोधन में कहा– रेपो रेट को आम सहमति से चार फीसदी पर बरकरार रखने का फैसला किया

गया है। रिवर्स रेपो रेट भी ३.३५ फीसदी पर बनी रहेगी। रेपो रेट वह दर है, जिस पर केंद्रीय बैंक वाणिज्यिक बैंकों को उधार देता है। रिवर्स रेपो दर वह दर है, जिस पर बैंक अपनी जमा राशि केंद्रीय बैंक के पास रखते हैं। आर्थिक विकास दर के बारे में आरबीआई की ओर से कहा गया है– दूसरे उपायों के साथ वित्त वर्ष २०२१–२२ के बजट में स्वास्थ्य, बुनियादी ढांचा अनुसंधान सहित विभिन्न क्षेत्रों पर दिए गये जोर को देखते हुए २०२१–२२ में सकल घरेलू उत्पाद यानी जीडीपी की विकास दर साढ़े १० फीसदी रहने का अनुमान है। बयान में कहा गया है– कृषि क्षेत्र में बेहतर संभावना को देखते हुए गांवों में मांग मजबूत बने रहने की उम्मीद है। कोविड–१९ मामलों में कमी और टीकाकरण अभियान के साथ शहरों में भी मांग अच्छी रहने की संभावना है, जिससे विकास को गति मिलेगी।

पेट्रोल–डीजल के दाम फिर बढ़े

नयी दिल्ली। पेट्रोल और डीजल के दाम शुक्रवार को फिर से बढ़ गये। देश में पेट्रोल की कीमतें इस समय रिकर्ड स्तर पर हैं। दिल्ली को छोड़कर अन्य शहरों में डीजल के दाम भी ऐतिहासिक उच्चतम स्तर पर हैं। घरेलू बाजार में सबसे बड़ी तेल विपणन कंपनी इंडियन अयल कर्पोरेशन के अनुसार, राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में पेट्रोल आज ३० पैसे महँगा हुआ और इसकी कीमत ८६.६५ रुपये प्रति लीटर पर पहुंच गई। मुंबई में पेट्रोल २६ पैसे बढ़कर ६३.४६ रुपये हो गया जबकि कोलकाता में २६ पैसे बढ़कर इसकी कीमत ८८.३० रुपये प्रति लीटर हो गई। चेन्नई में इसकी कीमत २६ पैसे बढ़ी और एक लीटर पेट्रोल ८६.३६ रुपये का बिका। पेट्रोल मुंबई में पहली बार ६३ रुपये और चेन्नई में पहली बार ८६ रुपये प्रति लीटर के पार पहुँचा है। डीजल की कीमत दिल्ली में ३० पैसे चढ़कर ७७.१३ रुपये प्रति लीटर पर पहुँच गई जो ३० जुलाई २०२० के बाद का रिकॉर्ड स्तर है। इसकी कीमत मुंबई में ३२ पैसे बढ़कर ८३.६६ रुपये, चेन्नई में २६ पैसे बढ़कर ८२.३३ रुपये और कोलकाता में ३० पैसे बढ़कर ८०.७१ रुपये प्रति लीटर पर पहुँच गई। पेट्रोल डीजल..दिल्लीं८६.६५ ,७७.१३..मुंबईं–६३.४६, ८३.६६... चेन्नई ८६.३६८२.३३...कोलकातों ८८.३०, ८०.७१

अद्भुत खिलाड़ी : टाइटेनिक हादसे बचा खिलाड़ी

अमरेन्द्र सहाय अमर

टाईटेनिक जहाज के डूबने की कहानी को फिल्म टाइटेनिक ने सभी को इस घटना से परिचित करा दिया. अगर यह फिल्म नही बनती तो शायद ही इस घटना को पूरी दुनिया को जानकारी मिलती. लेकिन आप सभी जानते हैं कि फिल्म में सच्ची घटनाओं को उतना महत्व नही दिया जाता, जितना प्यार मोहब्बत और दूसरी

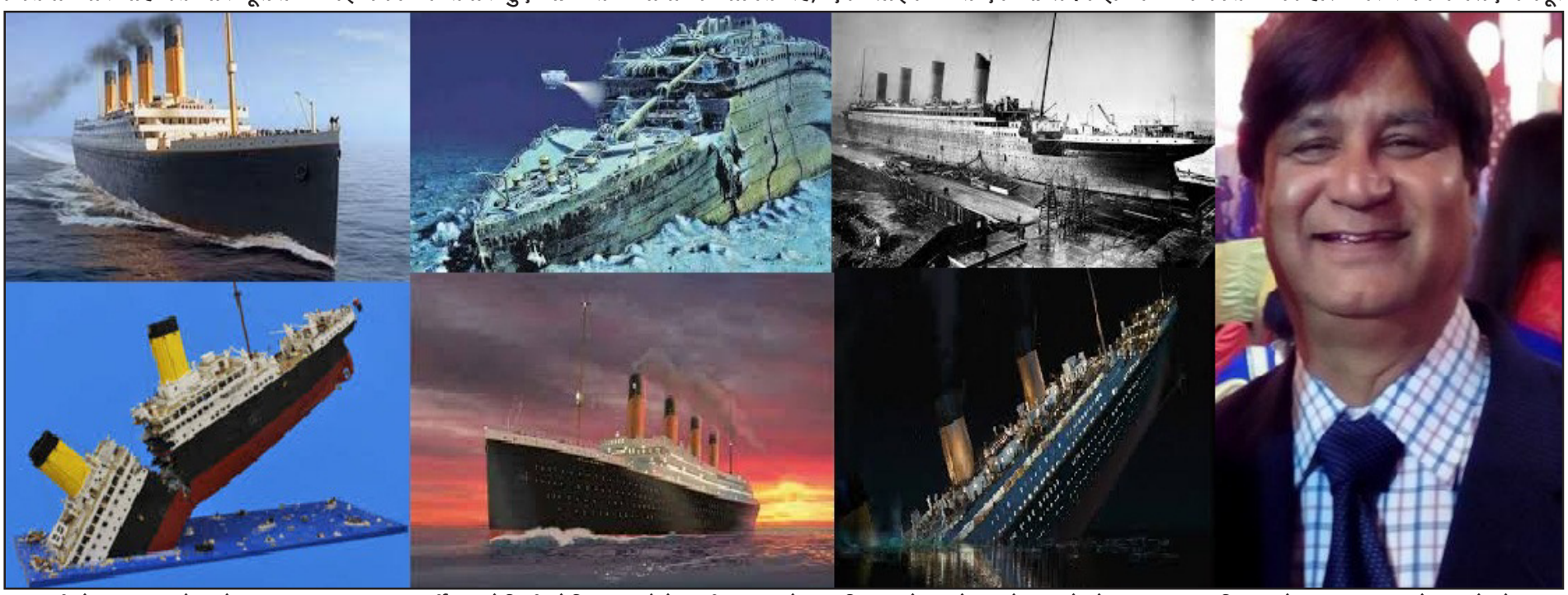

सनसनीखेज घटनाओं को. आज हम एक ऐसे ओलंपियन खिलाड़ी की जानकारी आपको बताने जा रहे है जो टाईटेनिक घटना का गवाह था. उसने कई लोगों को बचाया. लेकिन इस टाईटेनिक हादसे में अपने पिता को खो बैठा. टाइटैनिक की घटना १५ अप्रैल १९१२ को हुई, उससे करीब एक महीने पहले, स्टकहोम में पाँचवें ओलंपिक खेलों का जश्न मनाया जा रहा था. संयोगवश, टाइटैनिक ओलंपिक–क्लास ओशन लाइनर के रूप में नामित तीन जहाजों में से दूसरा भी था. इसके अलावा, आप मान सकते हैं कि ओलंपिक खेलों और टाइटैनिक के बीच अधिक संबंध नहीं थे. वास्तव में टाइटैनिक में दो ओलंपियन सवार थे. विपरीत कहानियों वाले दो ओलंपियन. १५ अप्रैल १९१२ को चेहरे पर मौत का डर देखने वाले दो ओलंपियन रिचर्ड नोरिस विलियम और कास्मो एडमंड डफ गॉर्डोन . रिचर्ड नोरिस विलियम उन लोगों में से थे जो १९१२ में उस शानदार यात्रा के लिए टाइटैनिक में सवार हुए थे. उस समय, २१ वर्षीय अमेरिकी टेनिस खिलाड़ी अपने पिता चार्ल्स ड्युने, के साथ यात्रा कर रहे थे और सपने देख रहे थे यू एस ए में घर की मिट्टी में वापसी और यूएस ओपन जीतना. लेकिन सपना कितना भी गहरा क्यों न हो, आप हमेशा जागते रहते हैं. नोरिस विलियम और उनके पिता प्रथम श्रेणी में यात्रा कर रहे थे, और उन्होंने जहाज के कप्तान, एडवर्ड स्मिथ के साथ रात का भोजन भी किया था, उस रात जब युवा टेनिस स्टार के सपनों को ग्रहण लग गया था. जैसे ही जहाज डूबा, चार्ल्स नोरिस विलियम और उनके पिता दोनों ही उसमें सवार रहे लेकिन जैसे ही जहाज पानी में आगे गिरा, उन्होंने कूदने और तैरने की कोशिश करने का फैसला किया. नोरिस विलियम के पिता अपनी जान बचाने में सफल नहीं रहे – ऐसा माना जाता है कि वह जहाज के एक हिस्से से टकरा गए थे और इस कारण उनकी जान चली गई. लेकिन चार्ल्स नोरिस विलियम छह घंटे के लिए ठंडे पानी में जीवित रहे, एक लाइफ जैकेट की वजह से वह जिंदा रहे. इससे पहले, नोरिस विलियम और उनके पिता ने अन्य यात्रियों को लाइफ–जैकेट दान भी की थी. एक स्थान पर, इस ओलंपियन ने एक फंसे हुए यात्री को बचाने के लिए एक दरवाजे को भी तोड़ दिया था.इन दोनों कृत्यों ने त्रासदी के बीच, रिचर्ड और चार्ल्स नोरिस विलियम को एक तरह से टाइटैनिक घटना का हीरो बनाया. पानी में बिताए गए छह घंटे का मतलब था चार्ल्स नोरिस विलियम के पैर उस समय तक पूरी तरह से ठंडे हो गए थे, जब तक उन्हें बचाने की कोशिश शुरू हुई. डॉक्टरों ने सुझाव दिया कि उन्हें काट देना बेहतर होगा, लेकिन चार्ल्स नोरिस विलियम ने इनकार कर दिया – ष्मुझे इन पैरों की आवश्यकता है,' उन्होंने जवाब दिया.और उनका निर्णय सही निकला. तबाही के ठीक १२ हफ्ते बाद, वह कारी बेहर के खिलाफ टेनिस मैच खेलने कोर्ट पर वापस आ गए थे...जो टाइटैनिक घटना से बचकर बाहर निकलने वालों में से एक थे. लंदन इंडिपेंडेंट ने कारी बेहर के हवाले से कहा, 'हालांकि टाइटैनिक का डूबना भयानक था. ..कारफथिया पर बिताए चार दिन लोगों के लिए बहुत बुरे थे और उन्हें भूलना ज्यादा मुश्किल था.' कारफथिया टाइटैनिक के बचे लोगों को बचाने के लिए भेजा गया था. 'चमत्कारी रूप से जीवित रहने के बारह सप्ताह बाद, विलियम और कारी बेहर ने अपने जीवन के आपसी अटूट बंधन में एक और अध्याय जोड़ा, बोस्टन के ठीक बाहर लॉन्गवुड चौलेंज बाउल के पहले दौर में एक–दूसरे को खेलते हुए. इस राउंड में विलियम एक उभरते हुए सितारे थे, जबकि, ठमीत अपने करियर के अंतिम पड़ाव पर थे.' उस दिन कारी बेहर ने जीत हासिल की, लेकिन नोरिस विलियम अपने सपनों को नहीं भूलेंगे. उन्होंने अपने पहले यूएस नेशनल के व्यक्तिगत खिताब को टाइटैनिक घटना के दो साल बाद, १९१६ में दोहराया और उसे एक उपलब्धि बताया. लेकिन उसी वर्ष, उन्हें प्रथम विश्व युद्ध के प्रकोप के बाद अपने करियर को होल्ड पर रखने के लिए मजबूर होना पड़ा. युद्ध में लड़ने के बाद, उन्हें सम्मानित किया गया था. लेकिन फिर भी उनका टेनिस का सपना उनकी पलकों में पल रहा था. आखिरकार, पेरिस १९२४ के ओलंपिक खेलों में – टाइटैनिक आपदा के १२ साल बाद – उन्होंने मिश्रित युगल स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतकर ओलंपिक का गौरव हासिल किया. इस बार, उन्होंने अपने सपनों से जागने के बजाय, उनमें से हर एक को पूरा किया – यहाँ तक कि टाइटैनिक जैसे दुःस्वप्न के बाद भी. चार्ल्स नोरिस विलियम को टाइटैनिक आपदा के बाद व्यापक रूप से एक हीरो माना जाता था.।

दसकों पुराने मार्ग को बन्द कराने के प्रयास में कुछ स्वार्थी रसूखदार

लखीमपुर–खीरी। मुख्यालय पर शहर के इमली चौराहे से विलोबी मेमोरियल मैदान होकर सिविल लाइन व कचेहरी के लिए निकलने वाले रास्ते को वहां रहने वाले चन्द स्वार्थी व रसूखदार में एक रिटायर्ड प्रिसिपल सरोज सेठ व कुछ अन्य कथित प्रभावशाली लोगों द्वारा सुरक्षा कारणों का हवाला देकर बंद करने का प्रयास किया जा रहा है। इस सम्बन्ध में गत दिवस मोहल्ले के कुछ लोगों द्वारा विलोबी मैदान में चल रहे एक कार्यक्रम के दौरान जिलाधिकारी से मिलकर उन्हें प्रार्थना पत्र दिया। बताया जाता है कि इस रास्ते पर बीते ६० ७० साल से भी अधिक समय से नगर वासियों तथा पलिया निघासन तिकुनियां आदि क्षेत्र सहित शहर के हाथीपुर अर्जुनपुरवा सैधरी भुइफोरवानाथ शिवपुरी गढ़ी रोड भटनागर कालोनी आदि मोहल्लों से कोर्ट कचेहरी अस्पताल की तरफ आने जाने वाले लोगों का आवागमन होता रहा है। समाचारों के मुताबिक यह रास्ता पहले काफी चौड़ा था जिससे मोटर साइकिल साइकिल सवार आदि भी निकल जाते थे परन्तु कुछ वर्ष पूर्व इन्हीं स्वार्थी व रसूखदार लोगों ने इस रास्ते को बन्द कराने हेतु रातों रात ऊंची ऊंची दीवालें तक बनवा दी थीं परन्तु मोहल्ले वासियों को जानकारी होने पर उनके हस्तक्षेप के बाद यह लोग अपनी कुत्सित मानसिकता में सफल नही हुए जिससे रास्ता बन्द तो नहीं हो पाया परन्तु अति संकरा अवश्य हो गया जिसमे से केवल एक पैदल ब्यक्ति ही निकल सकता है। ज्ञात हो कि विलोबी मैदान में राजनीतिक पार्टियों की रैलियां, धरना प्रदर्शन व धार्मिक व शादी विवाह के आयोजनों आदि होते रहते हैं। सरकारी अस्पताल पुस्तकालय कचहरी व मैदान में बच्चों को खेलने के लिए इसी रास्ते का प्रयोग होता रहा है। वैसे ही दीवाल उठ जाने के करण विलोबी मैदान में दीवाल के लगे हिस्से में काफी गन्दगी बनी रहती है जहां बदबू के चलते कोई खड़ा भी नहीं हो सकता मजे की बात यह है कि वहीं नगर पालिका का ट्यूबवेल लगा हुआ है जिससे शहर में पानी की आपूर्ति की जाती है अब पुनः उक्त रिटायर्ड प्रधानाचार्या व अन्य के प्रभाव के चलते बंद करने का कुत्सित प्रयास किया जा रहा है जिसका जनहित के चलते आम जनता तथा उसी मोहल्ले के निवासी इसको बंद किए जाने का विरोध कर रहे हैं जिससे अभी यह कथित धनाढ्य अपने मंसूबों में सफल नहीं हो पाये हैं। लोगों का कहना है कि यह लोग मार्ग को बंद कराकर टीन शेड आदि डालकर जगह को निजी प्रयोग में लाना चाहते हैं। गत लगभग दो सप्ताह पूर्व भी जब इसे बन्द करने के लिए मसाला आदि की व्यवस्था होकर मिस्त्री कार्य शुरू करने ही जा रहा था कि लोगों को इसकी जानकारी हो गई और विलोबी ट्रस्ट के लोगो सहित अन्य मोहल्ले के निवासी मौके पर पहुंच गए और इन कथित रसूखदारों के इस ैत्य का विरोध किया इसी बीच कुछ पत्रकार बन्धु भी मौके पर पहुंच गए और उन्होंने जब इस बावत् रिटायर्ड प्रधानाचार्या से जानकारी चाही कि किसके आदेश पर वह इस आम रास्ते को बन्द करा रही हैं तो बताते हैं कि पहले तो उन्होंने डीएम का नाम लिया जिससे किसी ने डीएम को फोन लगा दिया हालांकि डीएम का फोन उठा नहीं लेकिन महोदया यह कहते हुए वह अन्दर अपने मकान में घुस गईं कि अब यह सामान ब्यर्थ नहीं जायेगा और इसे अब डीएम ही बन्द करायेंगे। इससे पूर्व मोहल्ले वासियों द्वारा जनहित को देखते हुए इस रास्ते को चालू रखने के लिए जिलाधिकारी को एक रजिस्टर्ड प्रार्थना पत्र भेजा भी जा चुका है।

यूपी सरकार ने दिए सभी विधायकों को टैबलेट खरीदने के निर्देश

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार ने कागज रहित बजट सत्र के लिए विधानसभा एवं विधानपरिषद के सदस्यों को टैबलेट खरीदने के लिए कहा है। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री दिनेश शर्मा ने बताया, ''राज्य के सभी विधायकों और विधान परिषद सदस्यों को आईपैड मिलेंगे। प्रत्येक आईपैड की कीमत लगभग ५०,००० रूपये होगी, विधायक आईपैड खरीद सकते हैं, उन्हें इसका भुगतान किया जाएगा।'' उन्होंने बताया कि राज्य सरकार के मंत्रियों ने इस संबंध में एक प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया है और विधायकों तथा विधान परिषद सदस्यों को बजट सत्र से पहले इसका प्रशिक्षण दिया जाएगा। दो फरवरी को उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने निर्देश दिया था कि राज्य मंत्रिमंडल अगली बार एक ऑनलाइन बैठक आयोजित करेगा जिसके लिए मंत्रियों को उचित प्रशिक्षण दिया जाना चाहिए। योगी ने कहा था,

"आधुनिक तकनीक विभिन्न कार्यों को जल्दी और पारदर्शी तरीके से करने में बेहद मददगार है।" मुख्यमंत्री ने कहा था कि विधान मंडल सत्र से पहले सभी सदस्यों (विधायकों) को भी टैबलेट उपलब्ध कराये जाएं और टैबलेट के प्रभावी प्रयोग के लिए विधायकों का प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित किया जाए। योगी ने कहा था, 'आधुनिक तकनीक विभिन्न कार्यों के शीघ्र एवं पारदर्शी संपादन में अत्यंत सहायक है और राज्य सरकार ई–अफिस व्यवस्था को प्रभावी बनाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है।' योगी ने कहा था कि मंत्री परिषद की आगामी बैठक को ई–कैबिनेट माध्यम से सम्पन्न कराने के लिए मंत्रियों को गहन प्रशिक्षण मुहैया कराया जाए। ई–कैबिनेट व्यवस्था लागू हो जाने से मंत्री परिषद की कार्यवाही 'कागज रहित' हो जाएगी और इससे ई–गवर्नेन्स और ई–अफिस की व्यवस्था और प्रभावी हो सकेगी। प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री के सचिव आलोक कुमार ने ई–कैबिनेट व्यवस्था के सम्बन्ध में एक प्रस्तुतिकरण दिया।

५.५ लाख लोगों का टीकाकरण करने वाला पहला राज्य बना यूपी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश देश का पहला राज्य बन गया है जिसने कोविड–१९ के खिलाफ ५.५ लाख से अधिक लोगों का टीकाकरण किया है। राज्य के स्वास्थ्य विभाग से मिली जानकारी के अनुसार, गुरुवार तक ८.४४ लाख लोगों के टीकाकरण लक्ष्य के मुकाबले अब तक ५.८६ लाख स्वास्थ्य कर्मियों को टीका लग चुका है स्वास्थ्य और परिवार कल्याण के अतिरिक्त मुख्य सचिव, अमित मोहन प्रसाद ने कहा कि यह देश में सबसे बड़ा टीकाकरण अभियान है। उन्होंने कहा, "यूपी पहला राज्य है जिसने पांच लाख से अधिक लोगों को महामारी के संक्रमण के खिलाफ टीका लगाया है।" उन्होंने आगे कहा कि यह शुक्रवार को भी जारी रहेगा। आधिकारिक प्रवक्ता ने कहा, "अब तक कुल टीका लगवा चुके कुल ५.८६ लाख लोगों में से, गुरुवार को १,२५,३०८ स्वास्थ्य कर्मियों का टीकाकरण किया गया था। दिन के १,७२,३६६ के लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए, टर्नआउट ७२.६६ प्रतिशत था, जो यूपी जैसे एक राज्य के लिए अनुकरणीय है।" प्रवक्ता ने कहा कि सभी १,६०७ नियोजित सत्र आयोजित किए गए थे और दोनों, कोविशिल्ड और कोवैक्सीन को स्वास्थ्यकर्मियों को लगाया गया था। गुरुवार को टीका लगवाने वालों को दूसरी खुराक ४ मार्च को मिलेगी। जिलों में गोंडा ११५ प्रतिशत के साथ पहले स्थान पर रहा, जबकि संभल (१०१ प्रतिशत), उन्नाव (९९.४ प्रतिशत), संत कबीर नगर (९९ प्रतिशत) और फिरोजाबाद (९६.२७ प्रतिशत) ने शीर्ष पांच में जगह बनाई। गौतम बुद्ध नगर, अलीगढ़, कासगंज, बुलंदशहर और आगरा को निचले पांच में रखा गया। राज्य की राजधानी लखनऊ में ६३.१४ प्रतिशत टीकाकरण हुआ। उत्तर प्रदेश के राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, महाप्रबंधक, टीकाकरण, मनोज शुक्ला ने कहा कि शेष स्वास्थ्यकर्मियों को शुक्रवार को कवर किया जाएगा, जब फ्रंटलाइन वर्कर्स का टीकाकरण भी शुरू होगा।

हमारे अन्य प्रतिनिधि
संजय बाजपेई
सीतापुर
मो.9935160370
प्रियंका त्रिपाठी
नई दिल्ली
विधिक सलाहकार
सुरेश नारायण मिश्र
क्षेत्रीय सम्पादक
सौरभ कुमार, बिहार
मो.09386075289
मो० अरशद
ब्यूरो चीफ
मऊ

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक आरती पाण्डेय द्वारा सांई आफसेट प्रिन्टर्स, 40 वासुदेव भवन भातखण्डे संगीत महाविद्यालय के पीछे, कैसरबाग लखनऊ से छपवाकर एमआईजी 2/379 रश्मिखंड शारदानगर आशियाना लखनऊ उ0प्र0 से प्रकाशित।
आर.एन.आई
UPHIN/2010/32566

सम्पादक
आरती पाण्डेय
मो.9415087228
9889745884. 9807059191.
9026560178

Email-
adbhutsamachar
@yahoo.in
adbhut_samachar
@rediffmail.com
सभी विवादों का न्यायक्षेत्र लखनऊ होगा।

अमिताभ बच्चन ने अपने बेटे अभिषेक को जन्मदिन की बधाई दी

मुंबई। बॉलीवुड के महानायक अमिताभ बच्चन ने बेटे अभिनेता अभिषेक बच्चन को उनके जन्मदिन पर शुभकामनाएं देने के लिए सोशल मीडिया का सहारा लिया। अभिषेक आज ४५ साल के हो गए है। महानायक ने इंस्टाग्राम, आधिकारिक ब्लॉग में बेटे को उनके जन्मदिन पर बधाई देते हुए बेटे के साथ थ्रोबैक तस्वीरों कोलाज पोस्ट किया। शेयर तस्वीरों में एक तरफ अमिताभ, अभिषेक का हाथ पकड़ चल रहे हैं, वहीं दूसरी फोटो में अभिषेक ने अमिताभ का हाथ पकड़कर आगे बढ़ने में सहारा दे रहे हैं। उन्होंने इसे कैप्शन देते हुए लिखा, एक जमाने में मैं उसका

हाथ पकड़ता था, अब वो मेरा हाथ पकड़ सहारा देता है। वर्कफ्रंट की बात करें तो बिग बी जल्द ही इमरान हाशमी के साथ 'चेहरे' में और नागराज मंजुले की 'झुंड' में नजर आएंगे। अयान मुखर्जी की 'ब्रह्मास्त्र' में वह रणबीर कपूर, आलिया भट्ट, नागार्जुन और मौनी रॉय के साथ स्क्रीन स्पेस शेयर करते हुए देखे जाएंगे। सुपरस्टार के पास प्रभास और दीपिका पादुकोण के साथ आने वाली एक अनटाइटल्ड फिल्म भी है।

एक्टर बनने को बिना तैयारी मुंबई न आएं : राजकुमार राव

मुंबई। फिल्मों में अपने अभिनय से दर्शकों का दिल जीत लेने वाले अभिनेता राजकुमार राव का कहना है कि सिनेमा में बदलाव आ रहा है, ऐसे में अभिनेता बनने की चाहत रखने वाले कलाकार बिना किसी

तैयारी के मुंबई में न आएं। सत्यम श्रीवास्तव और राजीव गर्ग की किताब 'नीलकंठ' की लन्चिंग पर मीडिया से बात करते हुए राजकुमार ने कहा, "मेरे पास बस यही एक टैलेंट था कि मुझे अपनी कला से प्यार हो गया था। बचपन से ही मुझे एक्टिंग भाने लगा था। मैं कभी पैसे या शोहरत के पीछे नहीं भागा। मैं खुद में सोचा कि यही एक चीज है जिससे मुझे वाकई में लगाव है और जिंदगी भर इसे ही करना चाहता हूं मैं। मैंने दिल्ली में थिएटर करना शुरू कर दिया और बाद में पुणे के फिल्म इंस्टीट्यूट में शामिल हो गया, क्योंकि मैं इस शहर में बिना किसी तैयारी के नहीं आना चाहता था।" उन्होंने आगे कहा, "मैं पहले खुद को प्रशिक्षित करना चाहता था। मैं नवोदित कलाकारों को अकसर यही कहता हूं सिर्फ इसलिए कि आपके दोस्तों ने आपसे कहा कि आप अच्छी मिमिक्री कर लेते हैं या आप अच्छे दिखते हैं, तो अब आपको मुंबई चले जाना चाहिए, ऐसा न करें। बिना तैयारी के मुंबई में न आएं। खासकर अब, जब सिनेमा बदल रहा है। हमें प्रतिभाओं की जरूरत है, इसलिए खुद को पहले प्रशिक्षित करें और फिर मुंबई आएं, क्योंकि यहां कई सारे बेहतरीन मौके हैं।

फिल्म राधेश्याम का प्री–टीजर रिलीज, जबरदस्त लुक में नजर आए प्रभास

मुंबई। बहुप्रत्याशित 'राधे श्याम' के मेकर्स ने फिल्म का एक छोटा प्री–टीजर जारी किया है, जिसमें फिल्म से 'लवर बय' प्रभास की झलक दिखाई गई है। टीजर की शुरूआत प्रभास की ब्लकबस्टर हिट 'बाहुबली' के लुक से होती है जिसे 'साहो' तक दिखाया गया है, जिसके बाद उन्हें शाम को हल्की बर्फबारी के बीच चलते हुए दिखाया गया है, जिसमें सभी चीजें बेहद प्यारी दिख रही हैं। स्टार के व्यक्तित्व के इर्द–गिर्द प्री–टीजर दिखाना, कुछ ऐसा है जो भारतीय सिनेमा में पहली बार देखा गया है। फिल्म की पहली घोषणा के बाद से, प्रशंसक पैन–इंडिया स्टार प्रभास को फिल्म में खूबसूरत अदाकारा पूजा हेगड़े के साथ रोमांस करते देखने का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। लगभग एक दशक के बाद प्रभास को रोमांटिक भूमिका निभाते हुए देखना दिलचस्प होगा। स्टार को आखिरी बार 'डार्लिंग' में लवर बय के अवतार में देखा

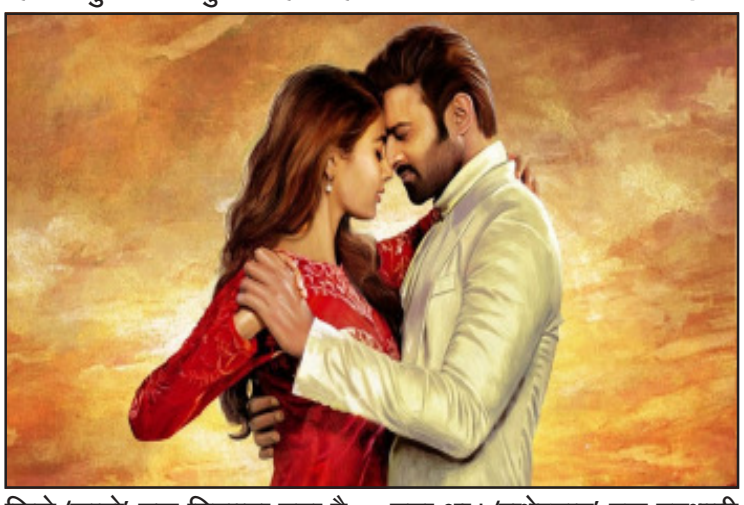

गया था। 'राधेश्याम' एक बहुभाषी फिल्म होगी जो राधा ेष्ण कुमार द्वारा निर्देशित और गुलशन कुमार व टी–सीरीज द्वारा प्रस्तुत होगी। यह यूवी क्रिएशंस द्वारा निर्मित है। फिल्म में प्रभास और पूजा हेगड़े मुख्य भूमिकाओं में हैं, जबकि सचिन खेडकर, प्रियदर्शी, भाग्यश्री, मुरली शर्मा ने प्रमुख भूमिकाओं में हैं। फिल्म भूषण कुमार, वामसी और प्रमोद द्वारा निर्मित है।

समाचार पत्र में छपी समस्त प्रकार की खबरों एवं लेखों का स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक आरती पाण्डेय से किसी भी प्रकार का कोई लेना देना नहीं है। समाचार पत्र में छपी खबर एवं लेख पत्रकारों के अपने निजी विचार हैं। समाचार पत्र से जुड़े समस्त पत्रकारों के पद अवैतनिक हैं। और वह सब स्वतंत्र पत्रकार हैं। प्रकाशक/सम्पादक